www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

ऐप में पढ़े E-PAPER भारत संवाद

Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

2 सुनिश्चित हो संवैधानिक दायित्व की पूर्ति

पाकिस्तान के सिंधु डेल्टा में पानी 80% घटा 06

वर्ष :17 | अंक :127 | प्रयागराज, गुरूवार, 07 अगस्त, 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1 : 00 रुपए

कर्तव्य भवन केवल इमारत नहीं, सपनों को साकार करने की तपोभूमि है : पीएम मोदी

पीएम मोदी बोले- बचेंगे किराए के 1500 करोड़ रुपये

र्तव्य भवन-03 का उद्घाटन

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार, एक समग्र दृष्टि के साथ भारत के नव-निर्माण में जुटी है। ये तो पहला कर्तव्य भवन पूरा हुआ है, ऐसे कई कर्तव्य भवनों का निर्माण तेजी से चल रहा है। देश का कोई भी हिस्सा आज विकास की धारा से अछूता नहीं है।

एजेंसी

करप्शन पर भारत में सरकारी योजनाओं की डिलिवरी को ट्रांसपेरेंट बनाया गया है। पहले की सरकारें 10 करोड़ ऐसे लोगों के नाम पर पैसे भेज रही थीं जिनका जन्म ही नहीं हुआ था। ये पैसे बिचौलिए खा रहे थे। इसे बंद किया गया। जिससे 4.20 लाख करोड़ रुपए की चोरी रुक गई। अब ये पैसा देश के काम आ रहा है। सिर्फ करप्शन और लीकेज ही नहीं अनावश्यक नियम कानून देश हित में बाधा थे। हमने 1500 से ज्यादा पुराने कानून समाप्त किए कई कानून अंग्रेजों के जमाने थे जो रोड़ा बने थे।

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर स्थित कर्तव्य भवन-03 का उद्घाटन किया। बाद में शाम को उन्होंने एक जनसभा को संबोधित करते हुए इस अवसर के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर बोलते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अगस्त क्रांति का महीना है और स्वतंत्रता दिवस से पहले, देश आधुनिक बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं के पूरा होने के साथ कई ऐतिहासिक मील के पत्थर देख रहा है। उन्होंने कहा कि ये केवल कुछ नए भवन और सामान्य इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं हैं। अमृतकाल में इन्हीं भवनों में विकसित भारत की नीतियां बनेंगी, विकसित भारत के महत्वपूर्ण निर्णय होंगे और राष्ट्र की दिशा तय होगी। मोदी ने दावा किया कि हमने बहुत मंथन के बाद कर्तव्य भवन नाम दिया है। कर्तव्य पथ, कर्तव्य भवन हमारे लोकतंत्र की, हमारे संविधान की मूल भावना का उद्घोष करते हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद, देश की प्रशासनिक मशीनरी दशकों तक ब्रिटिश काल में बनी इमारतों में ही चलती रही। इन प्रशासनिक इमारतों में काम करने की स्थिति बहुत खराब थी, जहाँ काम करने वालों के लिए जगह की कमी, रोशनी की कमी और वेंटिलेशन की कमी थी। गौरतलब है कि गृह मंत्रालय आवश्यक संसाधनों और सुविधाओं के अभाव के बावजूद एक सदी से भी ज्यादा समय तक इसी इमारत से काम करता रहा।

मोदी की स्पीच पॉइंट में

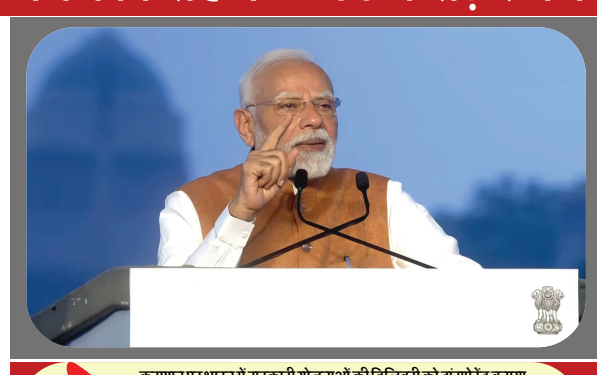

- इन्फ्रास्ट्रक्चर पर क्रांति का महीना अगस्त और 15 अगस्त से पहले ये ऐतिहासिक अवसर है। हम एक के बाद एक आधुनिक भारत के निर्माण से जुड़ी उपलब्धियों के साक्षी बन रहे हैं। दिल्ली में कर्तव्य पथ, नया संसद भवन, रक्षा भवन, भारत मंडपम, यशोभूमि, नेशनल वॉर ममोरियल, सुभाष चंद्र की प्रतिमा, ये केवल कुछ नए भवन और सामान्य इन्फ्रास्ट्रक्चर नहीं है
- बिल्डिंग रिनोवेशन पर आजादी के बाद देश की एडमिनिस्ट्रेटिव उन बिल्डिंग से चलाई गई जो अंग्रेजों के समय में बनी है। होम मिनिस्ट्री करीब 100 साल से एक ही बिल्डिंग में चल रही थी। अलग अलग मंत्रालय दिल्ली के 50 अलग अलग जगहों से चल रहे हैं।
- आधुनिक भारत पर 21वीं सदी के भारत को 21वीं सदी की आधुनिक व्यवस्था और इमारतें चाहिए। ऐसी बिल्डिंग जो टेक्नोलाजी और सुविधा के हिसाब से बेहतरीन हों। इसलिए कर्तव्य भवन जैसी विशाल इमारतों का निर्माण किया जा रहा है।

ट्रम्प धमका रहे, मोदी सामना नहीं कर पा रहे : राहुल गांधी

अडाणी के खिलाफ चल रही अमेरिकी जांच से उनके हाथ बंधे हैं

"उन्होंने कहा था कि भारत, रूस के साथ व्यापार करके यूक्रेन के खिलाफ रूसी वॉर मशीन को ईंधन देने का काम कर रहा है। इस वजह से अमेरिका को सख्त कदम उठाने की जरूरत है।

एजेंसी

नई दिल्ली, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी, ट्रम्प की धमकियों के सामने खड़े नहीं हो पा रहे हैं। इसकी वजह यह है कि अडाणी के खिलाफ अमेरिकी जांच चल रही है। ऐसे में मोदी के हाथ बंधे हुए हैं। मोदी का (अडाणी-अंबानी) के साथ क्या संबंध है, यह उजागर हो चुका है। पिछले साल अमेरिका में अडाणी समेत 8 लोगों पर अरबों रुपए की धोखाधड़ी के आरोप लगे थे। अमेरिकी अटॉर्नी ऑफिस आरोप पत्र के मुताबिक, अडाणी की कंपनी ने भारत में रिन्यूएबल एनर्जी के प्रोजेक्ट गलत तरीके से हासिल किए थे। इसके लिए सरकारी अधिकारियों को रिश्वत दी गई थी। इसकी जांच जारी है।

अमित शाह के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी के मामले में राहुल गांधी को चाईबासा कोर्ट से जमानत मिली

झारखंड के चाईबासा में एमपी-एमएलए कोर्ट ने बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता और वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 2018 में एक रैली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी से संबंधित एक मामले में जमानत दे दी।

ट्रम्प के दावों पर राहुल ने पीएम को घेरा

31 जुलाईः राहुल बोले- इंडियन इकोनॉमी मर चुकी, इसे मोदी ने मारा कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड इकोनॉमी (मृत अर्थव्यवस्था) बताने पर कहा- मुझे खुशी हुई कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने फैक्ट बताया है। राहुल ने कहा कि पूरी दुनिया जानती है कि भाजपा ने अडाणी की मदद के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। ट्रम्प सही कह रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी और वित्त मंत्री को छोड़कर सभी जानते हैं कि भारत की इकोनॉमी डेड है। 28 जुलाईः राहुल बोले- दम है तो पीएम कहें कि ट्रम्प झूठे लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर दूसरे दिन बहस में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा- ट्रम्प ने 29 बार कहा है कि हमने युद्ध रुकवाया। अगर दम है तो प्रधानमंत्री यहां सदन में यह बोल दें कि वह झूठ बोल

संक्षिप्त समाचार

पश्चिम बंगाल में बारिश जारी रहने की संभावना: मौसम विभाग

पश्चिम बंगाल में सक्रिय मानसूनी ट्रफ और उत्तर बांग्लादेश के ऊपर स्थित उच्च स्तर के चक्रवाती परिसंचरण के कारण पश्चिम बंगाल के कई हिस्सों में भारी बारिश का सिलसिला जारी रहने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को यह जानकारी दी। आईएमडी के अनुसार, दार्जिलिंग, कालिम्पोंग, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार और कूचबिहार जैसे उप-हिमालयी जिलों में 12 अगस्त तक भारी बारिश हो सकती है। दक्षिणी पश्चिम बंगाल में उत्तर और दक्षिण 24 परगना तथा नदिया समेत कई जिलों में भी आठ अगस्त तक भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने बताया कि जलपाईगुड़ी जिले के गैरकाटा टी एस्टेट में पिछले 24 घंटों में सुबह साढ़े आठ बजे तक राज्य में सर्वाधिक 120 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। अन्य स्थानों में भी अच्छी बारिश हुई जिनमें बक्साद्वार और डालगांव टी एस्टेट (80 मिमी), पश्चिम मेदिनीपुर जिले का मोहनपुर (70 मिमी) और दक्षिण 24 परगना जिले का डायमंड हार्बर (60 मिमी) शामिल हैं। कोलकाता में इस अवधि में 28 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई।

दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे आठ बांग्लादेशियों समेत 22 विदेशियों को पकड़ा गया

दिल्ली पुलिस ने जुलाई में यहां द्वारका उपनगर में आठ बांग्लादेशियों समेत 22 विदेशी नागरिकों को पकड़कर स्वदेश वापसी के लिए भेज दिया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। जिन विदेशियों को पकड़ा गया है उनमें बांग्लादेशी नागरिकों के अलावा, नाइजीरिया के आठ, आइवरी कोस्ट के तीन, लाइबेरिया के दो और सेनेगल का एक नागरिक है। वे बिना वैध वीजा के अवैध रूप से देश में रह रहे थे और उन्हें द्वारका के विभिन्न स्थानों से हिरासत में लिया गया। पुलिस उपायुक्त (द्वारका) अंकित सिंह ने कहा, उन्हें बिना वैध वीजा के भारत में रहते हुए पाया गया। उन्हें विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) के समक्ष पेश किया गया, जिसने उनके निर्वासन का आदेश दिया। तदनुसार, उन्हें निरुद्ध केंद्र भेज दिया गया।

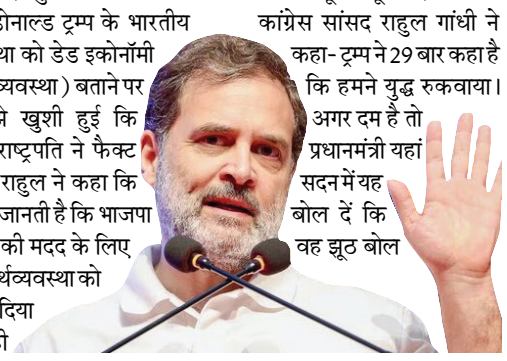

सामाजिक एकता का प्रतीक बन चुकी है कांवड़ यात्रा : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

2017 से पहले बरेली में हर तीसरे महीने दंगा होता था, लेकिन आज नाथ कॉरिडोर बरेली की पहचान बना है- मुख्यमंत्री

- सीएम योगी ने बरेली में 2,264 करोड़ की 545 परियोजनाओं का किया लोकार्पण व शिलान्यास
- मुख्यमंत्री ने रोजगार मेले के माध्यम से चयनित 6000 से अधिक युवाओं को वितरित किए नियुक्ति पत्र
- सीएम योगी ने प्रदेश में चल रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को बांटे प्रमाण पत्र व टैबलेट

एजेंसी

बरेली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को नाथ नगरी बरेली में ?2264 करोड़ की लागत से जुड़ी 545 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों की तुष्टीकरण की राजनीति पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कुछ असमाजिक तत्व कांवड़ यात्रा को बदनाम करने की साजिश रचते हैं, लेकिन समाज की जागरूकता और प्रशासन की तत्परता से ऐसे तत्व विफल हो जाते हैं। यह यात्रा अ ब । सामाजिक एकता का प्रतीक बन चुकी है। बरेली मे। लाखों श्रद्धालुओं ने नाथ गलियारे में जलाभिषेक कर अपनी आस्था प्रकट की, जो शहर की नई पहचान बन रही है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने रोजगार मेले के माध्यम से चयनित 6000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र व टैबलेट प्रदान किए। सीएम योगी ने कांवड़ यात्रा की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि लोगों की भावनाओं के वितरीत कांवड़ यात्रा को बदमान करने का कुत्सित प्रयास किया गया।

हिमाचल- किन्नौर में बाढ़ से 2 श्रद्धालुओं की मौत:किन्नर कैलाश यात्रा रुकी

आईटीबीपी ने 413 तीर्थयात्रियों को बचाया; उत्तराखंड के पौड़ी में बादल फटा

एजेंसी

नई दिल्ली, पहाड़ों पर मानसून की बारिश आफत लेकर आई है। हिमाचल प्रदेश में मंगलवार रात से जारी भारी बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। किन्नौर जिले में सालाना होने वाली किन्नर कैलाश यात्रा पर गए दो श्रद्धालुओं की बाढ़ में बहने से मौत हो गई। अचानक आई बाढ़ से यात्रा रूट पर दो पुल भी बह गए। बाकी का रास्ता भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिसके कारण यात्रा रोक दी गई है। कई श्रद्धालु फंसे हुए हैं। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस की टीम ने जिपलाइन की मदद से 413 तीर्थयात्रियों को बचाया है। मंगलवार रात चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे पर भी लैंडस्लाइड हुई। सड़कों पर बड़ी-बड़ी चट्टान गिरने से राज्य में 500 से ज्यादा सड़कें बंद हैं। शिमला, मंडी, सोलन और कुल्लू जिले में स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। उत्तराखंड में बुधवार को भी भारी बारिश जारी है। पौड़ी जिले में बादल फटा है। यहां के बुरांसी गांव में मलबा गिरने से दो महिलाएं दब गईं। इनमें से एक महिला का शव बरामद हो चुका है, जबकि दूसरी की तलाश जारी है। वहीं, बाकुंडा गांव में भी बादल फटा, जहां 5 नेपाली मजदूरों के बहने की सूचना है। केरल में बारिश का रेड अलर्ट, कर्नाटक और तमिलनाडु में ऑरेंज अलर्ट

मौसम विभाग ने बुधवार को केरल में भी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं, कर्नाटक, तमिलनाडु और पुडुचेरी में ऑरेंज अलर्ट और उत्तराखंड-बिहार समेत 20 राज्यों में यलो अलर्ट जारी किया है।

कुबेरेश्वर धाम आए 3 और श्रद्धालुओं की मौत, 3 घायल

2 दिन में 5 लोगों की गई जान; कांवड़ यात्रा में 2 लाख से ज्यादा श्रद्धालु आए

सीहोर, सीहोर में बुधवार को पंडित प्रदीप मिश्रा के कुबेरेश्वर धाम में कांवड़ यात्रा में शामिल होने आए तीन और लोगों की मौत हो गई। इनमें से एक की मौत धाम में अचानक चक्कर आकर गिरने से हुई है, जबकि दूसरे व्यक्ति की मौत एक होटल के सामने खड़े-खड़े गिर जाने से हुई है। एक शख्स की मौत का कारण हार्ट अटैक बताया जा रहा है। वहीं एक महिला को अचेत हालत में जिला अस्पताल लाया गया है। जबकि अलग-अलग कारणों से तीन लोग घायल हो गए हैं। चतुर सिंह (उम्र 50 वर्ष) पिता भूरा पांचवल, निवासी गुजरात - बताया जा रहा है कि चतुर सिंह की दोपहर करीब 12 बजे अस्पताल के पीछे स्थित आनंद होटल के पास अचानक तबीयत बिगड़ गई। वे खड़े-खड़े गिर गए।

मोहाली फेज 9 में हुई भीषण विस्फोट, दो लोगों की मौत और कई घायल

पंजाब के मोहाली शहर में बुधवार को एक ऑक्सीजन प्लांट में हुए भीषण विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। फेज 9 औद्योगिक क्षेत्र स्थित प्लांट में विस्फोट हुआ।

एजेंसी

पंजाब के मोहाली शहर में बुधवार को एक ऑक्सीजन प्लांट में हुए भीषण विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। फेज 9 औद्योगिक क्षेत्र स्थित प्लांट में विस्फोट हुआ। मोहाली डीसी के अनुसार, सूचना मिलते ही चिकित्सा दल, पुलिस और जिला प्रशासन के कर्मचारी तुरंत घटनास्थल पर पहुँचे और बिना किसी देरी के बचाव कार्य शुरू किया। ऑक्सीजन सिलेंडर निर्माण प्लांट में हुए विस्फोट के बारे में डीएसपी हरसिमरन सिंह बल ने कहा, इस प्लांट में विस्फोट हुआ, जिसमें दो लोग - आसिफ और देवेंद्र - हताहत हुए... यह सुबह 9 बजे हुआ और हम समय पर पहुँच गए।

पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक पंचतत्व में विलीन

अंतिम संस्कार में शामिल हुए राहुल गांधी, संजय सिंह सहित कई दिग्गज नेता

सांसद संजय सिंह ने सत्यपाल मलिक को बहादुर नेता बताया. उन्होंने कहा कि सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ मुखर आवाज बुलंद करने की ही सजा है कि मृत्यु के बाद भी उन्हें राजकीय सम्मान नहीं मिला. वहीं सांसद चंद्रशेखर आजाद ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि अब सरकार ढूंढ कर लाए आखिर वो 2200 करोड़ रुपये कहा है.

एजेंसी

नई दिल्लीः पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का आज दिल्ली में अंतिम संस्कार किया गया. मंगलवार को दिल्ली के आरएमएल अस्पताल में सत्यपाल मलिक का निधन हुआ था. वो 11 मई को किडनी की बीमारी के इलाज के लिए आरएमएल अस्पताल में भर्ती हुए थे. कुछ दिन पहले ही सत्यपाल मलिक ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी बात कही थी. उन्होंने कहा था कि मैं रहूं या न रहूं पर मैं सच बताना चाहता हूं. उन्होंने ये भी आरोप लगाए थे कि उन्हें सरकार किसी तरह से फंसाने में लगी हुई है. उन्होंने इस बात का भी जिक्र किया था कि उनके पास धन दौलत होती तो वो प्राइवेट अस्पताल में इलाज कराते.केंद्र सरकार पर लगाया था उइक का डर दिखाने का आरोपपूर्व राज्यपाल के एक्स हैंडल के पोस्ट में ये भी लिखा था कि "सरकार मुझे सीबीआई का डर दिखाकर झूठे चार्जशीट में फंसाने के बहाने ढूंढ रही है, जिस मामले में मुझे फंसाना चाहते हैं उस टेंडर को मैंने खुद निरस्त किया था, मैंने खुद प्रधानमंत्री जी को बताया था इस मामले में करप्शन है और उन्हें बताने के बाद में मैंने खुद उस टेंडर को कैंसिल किया, मेरा तबादला होने के बाद में किसी अन्य के हस्ताक्षर से यह टेंडर हुआ.

पहले पहनाई माला, फिर जड़ दिया थप्पड़

रायबरेली में स्वामी प्रसाद मौर्य का एक शख्स ने ऐसे किया स्वागत

उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री और अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य रायबरेली के सिविल लाइंस पहुँचे थे। दौरे के दौरान, समर्थकों ने उनका मालाओं से स्वागत किया, तभी एक अज्ञात व्यक्ति ने उन पर हमला करने की कोशिश की और पीछे से उनके सिर पर थप्पड़ मारा।

एजेंसी

अपना समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य पर रायबरेली में उस समय हमला हुआ जब एक व्यक्ति ने उन्हें माला पहनाने के बाद पीछे से थप्पड़ मार दिया। यह घटना एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान हुई, जहाँ आरोपी व्यक्ति स्वामी प्रसाद के पास पहुँचा और फिर अचानक उन्हें थप्पड़ मार दिया। घटना के बाद, मौर्य के समर्थकों ने उस व्यक्ति को पकड़ लिया और उसकी पिटाई करने के बाद उसे रायबरेली पुलिस के हवाले कर दिया। उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री और अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य रायबरेली के सिविल लाइंस पहुँचे थे। दौरे के दौरान, समर्थकों ने उनका मालाओं से स्वागत किया, तभी एक अज्ञात व्यक्ति ने उन पर हमला करने की कोशिश की।

तंज जेडीयू सांसद संजय झा का आरजेडी पर तंज

तेजस्वी के पास दो वोटर आईडी, तो समर्थकों के पास कितनी होंगी?

एजेंसी

"बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव के खिलाफ पटना के दीघा पुलिस स्टेशन में एक शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उनके पास दो चुनावी फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) हैं।

नयी दिल्ली। जनता दल (यूनाइटेड) के सांसद संजय कुमार झा ने आरोप लगाया कि विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के पास कई चुनावी पहचान पत्र हैं, जिससे उनके समर्थकों में भी इसी तरह की प्रवृत्ति का संकेत मिलता है। उन्होंने आगे कहा कि बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जमीनी स्तर पर कोई समस्या नहीं है। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर, बिहार में कोई समस्या नहीं है। जब विपक्ष के नेता (तेजस्वी यादव) के पास दो चुनावी पहचान पत्र हैं, तो हमें नहीं पता कि उनके समर्थकों के पास कितने पहचान पत्र होंगे। यही कारण है कि एसआईआर किया जा रहा है। कुछ दिन पहले, बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव के खिलाफ पटना के दीघा पुलिस स्टेशन में एक शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उनके पास दो चुनावी फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) हैं। यह शिकायत एक वकील राजीव रंजन ने दर्ज कराई थी, जिन्होंने उचित कानूनी कार्रवाई शुरू करने का अनुरोध किया है। इससे पहले, तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया था कि उनका ईपीआईसी (मतदाता फोटो पहचान पत्र) नंबर बदल दिया गया है। यादव ने मतदाता सूची से अपना नाम गायब होने पर चिंता जताई थी और सवाल उठाया था कि वे आगामी चुनाव कैसे लड़ेंगे। वैध मतदाता पहचान पत्र संख्या (ईपीआईसी) होने के बावजूद, यादव ने दावा किया कि उनका नाम मतदाता सूची में नहीं है, जिससे चुनावी प्रक्रिया में अनियमितताओं के आरोप लगे। पटना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, यादव ने आरोप लगाया था, मेरा नाम मतदाता सूची में नहीं है। मैं चुनाव कैसे लड़ूँगा? इसके बाद, पटना में निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी ने रविवार को उनसे उस मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) कार्ड का विवरण देने को कहा, जिसका उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में ज़िक्र किया था, ताकि मामले की गहन जाँच की जा सके। शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में तेजस्वी ने कहा कि बिहार में संशोधित नई मतदाता सूची के मसौदे में उनका नाम शामिल नहीं है। हालाँकि, अधिकारियों ने रिकॉर्ड की जाँच की और उनका नाम सूची में पाया। इस बीच, जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने चुनाव आयोग पर उनके द्वारा लगाए गए आरोपों को लेकर तेजस्वी की आलोचना की और कहा कि विपक्ष का नैरेटिव नष्ट हो गया है।

सांसदों के साथ दिल्ली में सीएम रेवंत रेड्डी ने किया प्रदर्शन, भाजपा पर लगाया ये बड़ा आरोप

रेवंत रेड्डी ने यहाँ संवाददाताओं से कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान, राहुल गांधी ने तेलंगाना के लोगों से वादा किया था कि सरकार बनने के बाद, हम ओबीसी को 42% आरक्षण देने के लिए जाति जनगणना कराएँगे। इसी वादे के आधार पर लोगों ने कांग्रेस को सत्ता में लाया।

एजेंसी

नयी दिल्ली। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बुधवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक विशाल धरना दिया और राज्य विधानसभा द्वारा पारित उन विधेयकों पर राष्ट्रपति की सहमति की मांग की, जो स्थानीय निकाय चुनावों के साथ-साथ शिक्षा और रोजगार के क्षेत्रों में पिछड़े वर्गों (बीसी) को 42% आरक्षण देने की मांग करते हैं। उन्होंने कहा कि अगर विधेयकों को मंजूरी नहीं मिलती है, तो यह साबित होगा कि भाजपा पिछड़े वर्ग के समुदायों के खिलाफ है। रेवंत रेड्डी ने यहाँ संवाददाताओं से कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान, राहुल गांधी ने तेलंगाना के लोगों से वादा किया था कि सरकार बनने के बाद, हम ओबीसी को 42% आरक्षण देने के लिए जाति जनगणना कराएँगे। इसी वादे के आधार पर लोगों ने कांग्रेस को सत्ता में लाया। उन्होंने आगे कहा, ₹सरकार बनने के बाद, हमने जाति जनगणना कराकर और 42% ओबीसी आरक्षण के लिए एक विधेयक पारित करके अपनी प्रतिबद्धता पूरी की। राज्यपाल ने विधेयक को राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए भेज दिया है, लेकिन चार महीने बीत जाने के बाद भी कोई जवाब नहीं मिला है।

सम्पादकीय

ट्रंप की नई धमकी, बेतुके बयानों और फैसलों से करा रहे अपनी फजीहत

आखिर भारत अमेरिका से वह सब क्यों खरीदे जो उसे चाहिए ही नहीं ? ट्रंप यह समझें तो बेहतर कि भारत तब अमेरिका से नहीं दबा था जब वह आर्थिक रूप से इतना सक्षम नहीं था और उसे परमाणु परीक्षण के चलते प्रतिबंधों का सामना करना पड़ा था। भारत को ट्रंप का सामना करते हुए यह भी देखना होगा कि उसे रूस या चीन पर निर्भर नहीं होना है। अपने बेतुके बयानों और फैसलों से अपनी फजीहत करा रहे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने नई धमकी दी है कि वे 24 घंटे के भीतर भारत पर टैरिफ और बढ़ाएंगे। इसका मतलब है कि भारत से अमेरिका जाने वाली वस्तुओं पर अमेरिकी आयात शुल्क 25 प्रतिशत से अधिक हो जाएगा। उनके जो मन में आए, वह करने को स्वतंत्र हैं, लेकिन यदि वे यह समझ रहे हैं कि भारत उनकी दादागीरी के आगे झुक जाएगा तो अब इसकी संभावना न्यून है, क्योंकि उन्हें जवाब देना शुरू कर दिया गया है। भारत कूटनीतिक शिष्टाचार के चलते उन्हें उनकी जैसी भाषा में तो जवाब नहीं दे सकता और देना भी नहीं चाहिए, लेकिन उसे उनकी धमकियों के आगे झुकना भी नहीं है। वे अब हद पार कर अमेरिकी राष्ट्रपति पद की मयार्दा से खेल रहे हैं। उनका अहंकार सिर चढ़कर बोल रहा है। यह भी दिख रहा है कि वे कुंठा से ग्रस्त होकर विवेक खो रहे हैं। भारत को एक कुंठित-अहंकारी अमेरिकी राष्ट्रपति के अहं को तुष्ट करने के बजाय उसका सामना साहस और संयम से करने के लिए कमर कस लेनी चाहिए। भारत को ट्रंप की ओर से पेश की जा रही चुनौतियों का सामना करने के लिए फौरी एवं दीर्घकालिक रणनीति बनानी होगी। इसमें सफलता तब मिलेगी, जब हमारे कारोबारी भी राष्ट्रधर्म समझेंगे। उन्हें अपने उत्पादों की गुणवत्ता और उत्पादकता ठीक करनी होगी। आयातकों को खास तौर पर उन अमेरिकी अथवा चीनी वस्तुएं खरीदने का लोभ छोड़ना होगा, जो भारत में बन सकती हैं। इससे ही स्वदेशी का मंत्र कारगर साबित हो सकता है। ट्रंप यह तय करने वाले कोई नहीं कि भारत रूस अथवा अन्य किसी देश से क्या खरीदे ? अमेरिका की तरह भारत भी एक संप्रभु राष्ट्र है। यदि भारत रूस से तेल खरीद रहा है तो अमेरिका से भी ले रहा है। यदि भारत रूस से तेल न ले तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में उसके दाम चढ़ जाएंगे और इसके दुष्परिणाम विश्व के अनेक देशों के साथ अमेरिका को भी भोगने पड़ेंगे। क्या ट्रंप यह बताएंगे कि अमेरिका रूस से यूरेनियम और उर्वरक क्यों खरीद रहा है ? इसी तरह यूरोपीय देश उससे गैस, खनिज आदि क्यों खरीद रहे हैं ? ट्रंप यह समझने को तैयार नहीं कि भारत के टैरिफ किंग होने के उनके दावे की पोल खुद अनेक अमेरिकी अर्थशास्त्री खोल रहे हैं। विश्व बैंक का भी यह आकलन है कि अमेरिका के मुकाबले भारत की टैरिफ दरें मामूली ही अधिक हैं।

आज का विचार

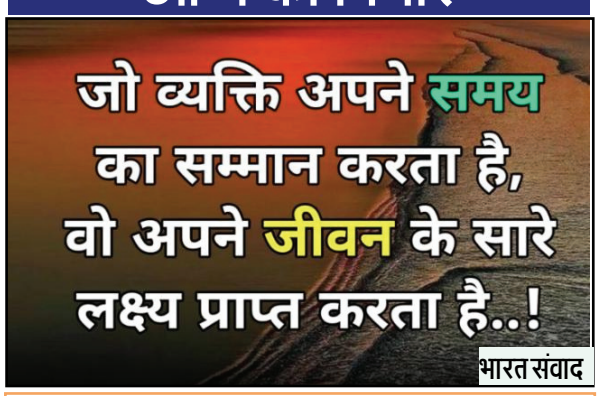

सुनिश्चित हो संवैधानिक दायित्व की पूर्ति

बजट और अविश्वास प्रस्ताव जैसे अवसरों पर सदस्यों को दलीय अनुशासन चाहिए। इसके अतिरिक्त उन्हें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता चाहिए। दलबदल के कानूनी प्रविधानों ने सदस्यों की विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित किया है जबकि संविधान सदनों में विचार अभिव्यक्ति की असीम स्वतंत्रता देता है। संसदीय जनतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अनिवार्य है।

पाहाल में सर्वोच्च न्यायालय ने दलबदल की याचिकाओं के निस्तारण पर गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा कि विधायी सदनों के अध्यक्षों/सभापतियों के निर्णय में विलंब से चिंताजनक स्थिति निर्मित हुई है। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई के नेतृत्व वाली बेंच ने कहा, हम ऐसी स्थिति की अनुमति नहीं दे सकते जहां आपरेशन सफल हो, लेकिन मरीज ही मर जाए। याचिकाओं पर निर्णय में ऐसा विलंब न हो कि सदन का कार्यकाल ही समाप्त हो जाए। न्यायपीठ ने तेलंगाना विधानसभा में भारत राष्ट्र समिति के 10 विधायकों के दलबदल मामले में सुनवाई के बाद कहा कि संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत दी गई याचिकाओं पर विधानसभा अध्यक्ष तीन महीने के भीतर निर्णय दें। न्यायालय ने पहले भी कहा था कि याचिकाओं के निर्णय में विलंब से 10वीं अनुसूची के उद्देश्य विफल हो सकते हैं। सदन के अध्यक्षों/सभापतियों को ही ऐसी याचिकाओं की सुनवाई का अधिकार है। कोर्ट ने यह भी कहा कि उसे सुनवाई की समयसीमा सुनिश्चित करने का अधिकार है। ये बातें मणिपुर विधानसभा सहित कई मामलों में समयसीमा निर्धारित करने की मांग पर कही गई हैं। एक मामले (1992) में सर्वोच्च न्यायापीठ ने कहा था कि आवश्यक कार्यवाही में देरी पर न्यायालय को हस्तक्षेप का अधिकार है। रवि एस. नायक बनाम भारत संघ मामले (1994) में अध्यक्ष की निष्पक्षता पर भी टिप्पणी की गई थी। निर्वाचित जनप्रतिनिधि ही सरकार में मंत्री और सदन में पीठासीन अधिकारी बनते हैं। राजनीतिक दल उनके निर्वाचन में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। वे चुनाव जीतकर अपने दल के प्रति निष्ठावान रहते हैं, पर तमाम प्रतिनिधि लोभवश दलबदल करते हैं। स्वतंत्रता के कुछ समय बाद ही दलबदल का सिलसिला चल निकला था। 1967 में हरियाणा के एक नेता ने एक दिन में ही तीन बार दलबदल किया था। कई राज्यों में दलबदलू नेता दल छोड़ते ही मंत्री बने। नैतिक और विधिक दृष्टि से यह अपराध है। मतदाता के प्रति धोखाधड़ी भी है। हमारे यहां राष्ट्र जीवन के सभी क्षेत्रों में उन्नति हुई है, लेकिन हम संवैधानिक नैतिकता वाले राजनीतिक दल नहीं बना पाए। राजनीतिक दल भी अपने सदस्यों में निष्ठा नहीं ला पाते, कुछ दलबदल कराते हैं और कुछ दलबदल करते हैं। ऐसे दल राष्ट्र हितैषी नहीं हो सकते। कहा जाता है कि राजीव गांधी ने भयवश 52वां संविधान संशोधन पारित करवाया था। तब स्वेच्छा से दल त्याग दंडनीय माना गया, पर एक तिहाई सदस्यों के दल त्याग को विलय कहा गया था। एक तिहाई सदस्य जुटाना मुश्किल नहीं था। कुछ राज्यों में इक्का-दुक्का सदस्य आते रहे और एक तिहाई होते गए। दलबदल के तमाम तरीके ईजाद होते रहे। 1991 में संविधान संशोधन द्वारा एक तिहाई की जगह दो तिहाई सदस्यों का प्रविधान किया गया। इसका भी बहुत लाभ नहीं हुआ। सदस्यता छीन लेने जैसे सख्त कानून के बावजूद दलबदल जारी है। एक कारण पीठासीनों की ढिलाई भी है। इसलिए हाल के तेलंगाना मामले सहित कई अवसरों पर पीठासीन अधिकारियों पर टिप्पणियां हुई हैं। आरोप लगते रहे हैं कि वे जानबूझकर पक्षपात करते हैं। याचिकाएं ठंडे बस्ते में डाल देते हैं। चुनाव आयोग ने सुझाव दिया था कि इस गंभीर विषय पर विमर्श के लिए एक आयोग बने। सर्वोच्च न्यायालय ने भी कहा है कि निष्पक्षता के लिए न्यायपालिका के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में न्यायाधिकरण का गठन किया जाना चाहिए। सदनों के सभापति/अध्यक्ष सम्माननीय संवैधानिक संस्था हैं। 10वीं अनुसूची में संविधान ने इन्हें उत्तरदायी माना है। इन संस्थाओं को अपने संवैधानिक कर्तव्य का सही पालन करना चाहिए, मगर दल त्यागने का रोग इतने भर से दूर नहीं होगा। माननीय विशेष अवसरों के लिए दल त्याग करेंगे। कुछ दंडित होंगे, होते भी हैं और शेष तकनीकी कारणों से बच निकलेंगे। इसलिए इस मुद्दे पर व्यापक विमर्श हो। जहां स्वेच्छा से दल त्याग दंडनीय है, वहीं किसी व्यक्ति या समूह द्वारा दल त्याग की घोषणा सुविचारित भी हो सकती है। पार्टी का नेतृत्व विचारधारा बदल सकता है। विचारनिष्ठ सदस्यों के लिए यह अस्वीकार्य हो जाता है। वे सदन में अपने नेताओं के विरुद्ध भी बोलते हैं। संविधान में विचार अभिव्यक्ति मौलिक अधिकार है। दलीय अनुशासन का डंडा सदस्यों को अखरता है। दलबदल रोकने से राजनीतिक स्थिरता तो रहती है, किंतु निर्वाचित सदस्यों को विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से वंचित भी नहीं किया जा सकता। बजट और अविश्वास प्रस्ताव जैसे अवसरों पर सदस्यों को दलीय अनुशासन चाहिए। इसके अतिरिक्त उन्हें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता चाहिए। दलबदल के कानूनी प्रविधानों ने सदस्यों की विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित किया है, जबकि संविधान सदनों में विचार अभिव्यक्ति की असीम स्वतंत्रता देता है। संसदीय जनतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अनिवार्य है। इसके बावजूद दलबदल के विरुद्ध अभियान चलाते रहना चाहिए। समाज इसकी निंदा करे। राज्य दंड दे। आखिर ब्रिटिश संसद ने भारत जैसा दलबदल कानून क्यों नहीं बनाया? ब्रिटेन का दल तंत्र ऐसी समस्याएं स्वयं सुलझा लेता है। ब्रिटेन जैसी संसदीय प्रणाली अपना कर भी, दलबदल कानून के बावजूद भारत क्यों इस समस्या से ग्रस्त बना हुआ है। ब्रिटेन में पार्टी बदलने पर कोई कार्रवाई नहीं होती। अमेरिका में भी दलबदल कानून नहीं है। अमेरिका में दो दल हैं। दलबदल भी होते हैं। एक समय डेमोक्रेटिक पार्टी के 16 प्रतिनिधि रिपब्लिकन पार्टी में शामिल हो गए थे। पार्टी का अनुशासन अमेरिका में ऐसी समस्याएं सुलझा लेता है। यूरोप के अधिकांश देशों में सख्त कानून है। दल त्याग पर संसद की सदस्यता समाप्त हो जाती है। पड़ोसी बांग्लादेश में भी पार्टी के विरुद्ध सदन में मतदान करने और पार्टी बदलने पर त्यागपत्र लिया जाता है। केन्या, दक्षिण अफ्रीका आदि में दलबदल की छूट नहीं है। भारत का मन बदल रहा है। सारी दुनिया आश्चर्यचकित है। संपूर्ण राजनीतिक दल तंत्र और विधायिका के सभी सदस्यों को संवैधानिक दायित्वों के निर्वहन के लिए संवेदनशील होना चाहिए। न्यायपीठ का निर्णय स्वागतयोग्य है। इससे विधायिका और न्यायपालिका की गरिमा बढ़ेगी।

राशिफल

मेष राशि: कामकाज के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है। आप कार्यक्षेत्र में पूरी जोश और उत्साह के साथ काम करेंगे और इसी के चलते किसी नए प्रोजेक्ट को संभालने का अवसर भी प्राप्त हो सकता है। व्यापार में निवेश से लाभ हो सकता है और नौकरी करने वालों को मेहनत का फल जरूरी मिलेगा।

वृषभ राशि : कार्यक्षेत्र में आप अपने कामकाज को सही दिशा में आगे बढ़ाने और उन्हें पूरा करने प्रयास में लगे रहेंगे। इसमें आपको सफलता भी जरूर प्राप्त होगी। कार्यस्थल पर आपको मित्रों और सहयोगियों का भी साथ मिलेगा।

मिथुन राशि: आपका दिन मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा। अगर आप करियर में बदलाव करने की सोच रहे हैं, तो अभी का समय इसके लिए अनुकूल नहीं है। ऐसे में आपको परिस्थितियां बेहतर होने का इंतजार करना होगा। व्यापार में कोई भी फैसला लेने से पहले अपने जीवनसाथी की सलाह लेना बेहतर होगा।

कर्क राशि: आज का दिन कारोबार के मामले में अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपको कोई नया प्रोजेक्ट प्राप्त हो सकता है, जिससे आपका सारा ध्यान उसी तरफ रहेगा। आपको अपने कुछ पुराने मित्रों का सहयोग और समर्थन भी प्राप्त हो सकता है।

सिंह राशि : अगर कार्यक्षेत्र में आपके कुछ जरूरी काम अधूरे पड़े हैं, तो उन्हें अब पूरा करने की जरूरत हो सकती है। इसी के चलते आपका दिन भागदौड़ भरा भी रहने वाला है। लेकिन आपको जल्दबाजी में कोई भी फैसला लेने या कार्य करने से बचना होगा, अन्यथा नुकसान हो सकता है।

कन्या राशि: आपका दिन अच्छा रहने वाला है। लेकिन इसके लिए योजना बनाकर हर कार्य करना बेहतर होगा। कार्यक्षेत्र में पूरी लगन और मेहनत से काम करने से आपको जरूरी कामों में सफलता प्राप्त होगी। कामकाज के सिलसिले में की गई यात्रा भी सफल हो सकती है और आप किसी जरूरी सामान की खरीदारी भी कर सकते हैं।

तुला राशि: व्यापार के मामले में आपको कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना होगा, अन्यथा नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक मामलों में भी सावधानी बरतने की जरूरत है। जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचें और निवेशों पर भी विशेष ध्यान दें।

वृश्चिक राशि: व्यापार के मामले में परिस्थिति को बेहतर बनाने के लिए आपको अपने काम करने के तरीके में बदलाव लाने की जरूरत होगी। वहीं, नौकरी करने वालों को भी अपने प्रोजेक्ट को सही प्रकार से पूरा करने के लिए कुछ बदलाव करने होंगे।

धनु राशि : कारोबार के मामले में दिन मिलाजुला रहेगा। आपको लक्ष्य प्राप्त करने के लिए मेहनत करनी पड़ सकती है और किसी भी प्रकार के निवेश में सावधानी बरतनी जरूरी होगी। आर्थिक मामलों में दिन सामान्य रहने वाला है। अपना तनाव कम करने के लिए आप किसी यात्रा पर जा सकते हैं। इससे सुकून महसूस होगा और आपके ताजगी का अहसास होगा।

मकर राशि : आपको अपने हर कार्य को पूरा करने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। साथ ही, व्यापार में भी सोच-समझकर फैसले लेने होंगे और धन या संपत्ति से जुड़े मामलों में भी जल्दबाजी दिखाने से बचें। नौकरी करने वालों पर भी काम का प्रेशर रह सकता है।

कुंभ राशि : आपके लिए दिन अनुकूल रहने वाला है। अगर कार्यक्षेत्र में लंबे समय से काम सही ढंग से नहीं चल रहा था, तो अब उसमें सुधार आ सकता है, जिससे तनाव भी थोड़ा कम होगा।

मीन राशि : कार्यक्षेत्र में आपको विपरीत परिस्थितियां देखने को मिल सकती हैं, जिससे मन परेशान रहेगा और तनाव भी बढ़ सकता है। आर्थिक मामलों में खर्च बढ़ने की संभावना है। आपको कुछ जरूरत के सामानों पर अधिक खर्च करना पड़ सकता है। लेकिन बड़े-बुजुर्गों की मदद से स्थिति काफी हद तक सामान्य हो सकती है।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

नशे में समाज या समाज में नशा नशीले पदार्थों की तस्करी चुनौती

संजीव ठाकुर

देश में कई गुना लगातार हो रही ड्रग्स की सप्लाई और तस्करी ने देशभर में अपराधों का इजाफा कर दिया है पूरा युवा वर्ग नशे में लड़खड़ा कर डोल रहा है। युवा बुजुर्ग यहां तक छोटे-छोटे जवान होते बच्चे भी नशे का शिकार हो चुके हैं। शराब, गांजा, भांग और ड्रग्स जैसे खतरनाक नशीले पदार्थों को लेने का जन्म सिद्ध अधिकार समझ उसका भयानक तरीके से सेवन करने में लगे हैंह्न नशीले पदार्थों की इस बार खपत पिछली बार की तुलना में लगातार बढ़ती जा रही है। नशीले पदार्थों से हुई अपराधिक गतिविधियों में हुई तेजी शासन, प्रशासन तथा पुलिस के लिए एक गंभीर चुनौती बन गया है नशीले पदार्थों की अंतरराष्ट्रीय, अंतर राज्यीय तस्करी देश तथा विश्व के लिए एक बड़ा सिरदर्द बनी हुई है यह चुनौती इसलिए भी है कि पिछले वर्ष में अपराधियों ने सूखे नशे का सेवन कर अपराध की वारदातें की हैं, नशे की लत में आकर अपराधियों में महानगरों मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद, दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई में लगातार बलात्कार, लूट, डकैती, और राहगीरों की हत्या को जन्म दिया है दूसरी तरफ सूखे नशे की लत में स्कूल और कॉलेज के युवा तथा बच्चे अपना भविष्य खराब करने पर आमादा है पिछले कुछ माह में मुंबई नारकोटिक्स इकाई ने ताबड़तोड़ छापेमारी कर बड़ी मात्रा में चरस, कोकीन, गांजा, स्मैक की बड़ी तादाद में जप्त कर कई नामचीन अभिनेता, अभिनेत्रियों को गिरफ्तार कर प्रकरण न्यायालय के हवाले किया थो दूसरी तरफ पंजाब,उत्तर प्रदेश, दिल्ली, बेंगलुरु, कोलकाता में भी पुलिस प्रशासन द्वारा सीधे कड़ी कार्रवाई की थी

वर्तमान में शराब तो सामाजिक बुराई बना ही हुआ है साथ मे सूखा नशा भी समाज के लिए गंभीर चुनौती बना हुआ है, सुखे नशे के मामले में केंद्र सरकार के सर्वोच्च नेतृत्व में यानी प्रधानमंत्री ने भी गंभीरता पूर्वक इसे रोकने के लिए चिंता जताई है। देश में न सिर्फ ड्रग्स के नशे का इस्तेमाल किया जा रहा है बल्कि बड़े पैमाने पर इसकी तस्करी कर अवैध कारोबार भी किया जा रहा है ड्रग्स का नशा सामाजिक विडंबना बना हुआ है तब देश में नए वर्ष के आगमन के पूर्व बड़े-बड़े आलीशान होटलों में सूखे नशे की पार्टियां आयोजित करने की तैयारी कर ली जाती है, ऐसे में पुलिस के केंद्र सरकार के तथा राज्य सरकार के आला अधिकारी इसे रोकने के लिए हर संभव प्रयास की रणनीति बनाने में जुट जाना चाहिए और शासन तथा पुलिस प्रशासन को अपना पूरा ध्यान सूखे नशे को प्रतिबंधित कर देने में लगाना होगा। मूलतः मुंबई गोवा और समुद्र मार्ग से पाकिस्तानी सरहद से लगे क्षेत्र और राज्य से सूखे नशे पदार्थों की आवक सभी राज्यों में होती है निसंदेह इसे गंभीर षड्यंत्र के रूप में लिया जाना चाहिऐ मुंबई सूखे नशे का एक बड़ा केंद्र बन चुका है, सुशांत सिंह राजपूत के आत्महत्या प्रकरण को लेकर जब पुलिस के आला अधिकारी को नशीले पदार्थों रेकेट हाथ लगा तब राज्य तथा केंद्र के कान खड़े हो गए थे, तब से पूरे देश में ताबड़तोड़ नशे के विरोध में कार्रवाई की गई थी। इसी तारतम्य में देश को यह बात समझ में आई कि सूखे नशे की लत में बड़े शहरों के तमाम पूंजीपति नशे के आदी हो चुके परिस्थितियां बहुत गंभीर एवं चुनौतीपूर्ण है। नए वर्ष के आगमन और होली की सेलिब्रेशन में तमाम नशीले पदार्थों की सप्लाई करने वाले तस्कर अपनी तैयारी में जुट जाते हैं देश के सभी राज्यों में नशीले पदार्थों के विरोध में केंद्र के निर्देश पर लगातार कार्रवाई की जा रही है और युवा वर्ग बच्चों को सोशल मीडिया के द्वारा भी इसकी बुराई के संबंध में लगातार अवगत कराया जा रहा है एवं इस बुराई से दूर रहने का आह्वान किया गया है, देश के बड़े-बड़े रिसोर्ट, जंगल के पिकनिक स्पॉट, देश की मुख्य सड़कों के आसपास ढाबों के संचालकों पर भी नजर रखने की योजना को मूर्त रूप दिया जाना है ताकि अपराधों में कमी आ सके ,शराब से तो अपराध होते ही हैं। सूखे नशे से अपराधयों के ज्यादा उम्र हिंसक और मस्तिष्क शुन्य हो जाते ऐसे में अपराध करने में उन्हें कोई हिचक नहीं होती, और इस तरह वे नशे में अपराधिक कृत्य करने से नहीं चूकते केंद्र तथा राज्य प्रशासन की चिंता इस बात के लिए तो है ही कि इससे अपराध की संख्या में काफी वृद्धि हुई है पर साथ में इसके तस्करों द्वारा की जा रही ड्रग्स की तस्करी पर एक गंभीर चुनौती बनी हुई है अंतरराष्ट्रीय सीमा से आने वाला ड्रग्स शारीरिक रूप से भी काफी नुकसानदेह होता है।

अंतरराष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकने का एक राष्ट्रीय स्तर पर योजना बनाकर उसे रोकने का प्रयास किया जाना चाहिए । जितने व्यक्ति नशा करके अपराध करने के लिए दोषी हैं उससे ज्यादा दोषी नशीले पदार्थों के तस्करी करने वाले भी है, तस्कर समूह को चिन्हित कर उस पर बड़ी कार्रवाई करने की देश को गंभीर आवश्यकता है, देश में शराब जहां ग्रामीण क्षेत्रों में एक बड़ी बुराई है उससे ग्रामीण आमजन को आर्थिक नुकसान के साथ-साथ शारीरिक नुकसान भी बहुत बड़ा होता है, इसी के साथ शहरी क्षेत्रों में खासकर बड़े शहरों में सुखा नशा एक बडी सामाजिक बीमारी की तरह अत्यंत गंभीर चुनौती बन गई है, इसे रोकने के हर संभव प्रयास किए जाने चाहिए तभी इस सामाजिक गंभीर समस्या पर कुछ राहत और निदान मिल सकता है

राहुल गांधी का चुनावी एटम बॉम्ब

विजय सहगल

जब से भारत के चुनाव आयोग ने बिहार चुनाव के पूर्व, चुनाव सूची मे विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य आरंभ किया है, देश के सभी विपक्षी दलों की तोपों के मुंह चुनाव आयोग की तरफ मुड़ गये। कॉंग्रेस के युवा नेता ने तो एक कदम आगे बढ़ 1 अगस्त को चुनाव आयोग पर सरकार के पक्ष मे वोट चोरी का आरोप लगा कर, चुनाव आयोग को खुल्लम खुल्ला धमकाते हुए इस चोरी के पुख्ता प्रमाण, सबूत और साक्ष्य रूपी एटम बॉम्ब फोड़ने की चेतावनी दी। उन्होने वर्तमान मे हिंदुस्तान मे चुनाव आयोग नाम की कोई चीज के अस्तित्व को नकारते हुए, आगाह किया कि उनके धमाके के बाद तो चुनाव आयोग के अस्तित्व ही नजर नहीं आयेगा। राहुल गांधी पूर्व मे भी इस तरह के सनसनी खेज वक्तव्य देते रहे हैं। विदित हो कि 8 नवंबर 2016 मे मोदी सरकार द्वारा लागू की गयी नोट बंदी पर भी राहुल गांधी ने 9 दिसम्बर 2016 मे अपने उत्तेजक वक्तव्य मे, लोक सभा मे बोलने के मौका देने पर भूकंप आने की चेतावनी दी थी और जब वे लोक सभा मे बोले तो, अपने वक्तव्यों के भूकंप से धरती तो दूर, एक तिनका भी नहीं हिला सके। उनके सनसनी खेज ₹एटम बॉम्ब₹ के वक्तव्य पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चुटकी लेते हुए सही ही कहा कि यदि राहुल गांधी के पास सौ प्रतिशत पुख्ता सबूतों का ₹एटम बम₹ हैं तो उसका परीक्षण तुरंत करिए और सारे प्रमाण देश के सामने रखिये। लेकिन सच्चाई यह हैं कि न तो उनके पास कोई तथ्य हैं, न सबूत। सनसनी फैलाना उनकी पुरानी आदत रही है। राहुल गांधी ने चुनाव आयोग के अधिकारियों को डराते और धमकाते हुए कुछ उसी लहजे मे कहा जैसे नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तानी आतंकवादियों को चेताते हुए कहा था। उन्होने चुनाव आयोग के अधिकारियों से कहा, जो भी ये काम कर रहे है, टॉप से बॉटम तक, याद रखिये हम आपको छोड़ेंगे नहीं! ये देश के खिलाफ साजिश है। उन्होने कहा कि आप रिटायार्ड हों या कहीं भी हों, हम आपको ढूंढकर निकाल लेंगे! देश की सबसे पुराने दल कॉंग्रेस के नेता द्वारा, देश की संवैधानिक संस्था के अधिकारियों के विरुद्ध इस तरह की भाषा का प्रयोग करना करना उचित है? वहीं दूसरी ओर चुनाव आयोग ने कहा, कि राहुल गांधी चुनाव आयोग पर बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। आयोग के कर्मचारियों को धमकाने वाली ये भाषा निंदनीय है। आयोग ने कहा कि वह ऐसे गैर जिम्मेदाराना बयानों को नजर अंदाज करता है और निष्पक्ष व पारदर्शी रूप से अपना काम सतत रूप से करता रहेगा। आयोग ने इस बात का भी उल्लेख किया कि उसके द्वारा 12 जून को भेजा गया

मेल और पत्र के प्रतिउत्तर अब तक अप्राप्त है। कॉंग्रेस या राहुल गांधी द्वारा आयोग को कभी कोई शिकायत नहीं की गयी।तीन-तीन प्रधानमंत्रियों के घर चाँदी की चम्मच ले कर पैदा हुए माननीय राहुल गांधी अब तक भारतीय लोकतन्त्र और भारतीय मतदाताओं की ताकत और मिजाज को शायद नहीं समझ पाये? इसलिये ही राहुल गांधी ने राजधानी दिल्ली मे कॉंग्रेस के वार्षिक कानूनी सम्मेलन को संबोधित करते हुए चुनाव आयोग पर 2014 के गुजरात विधान चुनाव पर सवाल उठाते हुए कहा कि, किसी एक पार्टी (भाजपा) की भारी मतों से विजय का रुझान शक पैदा करता हैं। शायद उन्हे स्मरण नहीं कि आपात काल के बाद जिस कॉंग्रेस की 1977 लोक सभा चुनाव मे सदस्यों की संख्या 350 से घट कर 153 रह गयी थी उन्ही श्रीमती इंद्रा गांधी को 1980 मे मतदाताओं ने भारतीय नागरिकों पर, आपातकाल मे किए गये तानाशाही पूर्ण रवैये को भुला कर उन्हे फिर सत्ता सौंपी। ठीक इसी तरह भारत के ये मतदाता ही थे जिन्होने, श्रीमती इन्दिरा गांधी की नृशंस हत्या के बाद राजीव गांधी से सहानभूति रखते हुए उनकी सरकार को दो तिहाई से भी अधिक सीटें (404) देकर कॉंग्रेस को सत्ता सौंपी। तब किसी नेता या दल ने कॉंग्रेस की विजय पर कोई शक, संशय या संदेह व्यक्त नहीं किया

मातृ शक्ति सेवा समिति, लखनऊ द्वारा हरियाली तीज समारोह का आयोजन

भारत संवाद

आज दिनांक 6.8.2025 को मातृ शक्ति सेवा समिति लखनऊ के द्वारा हरियाली तीज का भव्य कार्यक्रम होटल तुलसी, जानकीपुरम विस्तार, लखनऊ में मनाया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कर्मठ समाज सेविका एवं पर्यावरणविद् डॉ॰ अंजू वार्ष्णेय को पुष्प गुच्छ एवं उपहार देकर सभी मातृ शक्तियों द्वारा सम्मानित किया गया। सभी महिलाओं ने हरियाली तीज के पारंपरिक गानो पर नृत्य किया तथा एक दूसरे को हरियाली तीज की बधाई दी ।समिति की संरक्षक मोनिका यादव, अध्यक्ष पिंकी शुक्ला, उपाध्यक्ष कान्ती बाजपेई, कोषाध्यक्ष विनीता रस्तोगी, सचिव विनीता तिवारी के अलावा समिति कीअन्य सदस्यों जय देवी, सविता, मीनाक्षी, संगीता, गीता, दिव्यांशी, अंजू रस्तोगी एवं अन्य बहुत सी महिलाओं ने प्रतिभाग किया।

प्रयागराज के शहरी इलाकों में चल रहीं नावें

नहीं थमा गंगा-यमुना का उफान, 40 गांवों में कई दिनों से अंधेरा

भारत संवाद

प्रयागराज, गंगा-यमुना की लहरों का उफान थमा नहीं है। शहर और गांवों में बाढ़ के हालात बरकरार हैं। नदियों का जलस्तर स्थित हो रहा है। हालांकि, शहर के 10 मुहल्ले में एक मंजिल मकान पूरी तरह डूबे हैं। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, क्यूआरटी, बाढ़ चौकी टीमें रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही हैं। शहर के छोटा बघाड़ा, बड़ा बघाड़ा, बक्शी बांध, सलोरी, राजापुर नेवादा, दारागंज, सदियापुर, करेलाबाग, शुक्ला मार्केट, बक्शी, बंधवा, शिवकुटी आदि इलाकों में नावें चल रही हैं। इन इलाकों

में प्रशासन के साथ ही राजनीतिक दलों के नेता, छात्र संगठन समेत अन्य समाजसेवी खाने-पीने का सामान, दवाएं और जरूरत की चीजें पहुंचा रहे हैं। शहर के 10 से ज्यादा इलाकों में 100 से अधिक नावों से राहत पहुंचाई जा रही है। बलुआघाट बारादरी और उससे जुड़े 12 मुहल्लों में अभी भी पानी भरा है। थरवई, फाफामऊ इलाकों में उपकेंद्र में पानी भर जाने से 40 गांवों में कई दिनों से बिजली नहीं आई। गंगापार और यमुनापार के नैनी, अरैल, यमुना ब्रिज, छतनाग, बरदा, सुनौटी, झूंसी, गारापुर, पूर्वा, पूरा सूरदास, कजरिया, ढोल बजवा, कोहना, मुंशी का पूरा, विश्वकर्मा मार्केट, फाफामऊ, मनसईता, बहमलपुर, नवाबगंज आदि गांवों में पानी भरा है। शहर और देहात क्षेत्रों में बनाए गए राहत शिविरों में करीब 10 हजार लोग पनाह लिए हुए हैं।

रेस्क्यू टीम रोज दो से तीन हजार लोगों को राहत शिविरों में पहुंचा रही है। शहर के जिन इलाकों में पानी भरा है, वहां ज्यादातर प्रतियोगी छात्र रहते हैं। घनी आबादी वाले इन इलाकों में अभी सैकड़ों परिवार छतों पर सामान रखे घरों में रुके हुए हैं।

फास्ट ट्रैक

थाना ड्रमण्डगंज पुलिस द्वारा दहेज हत्या के अभियोग से सम्बन्धित 01 नफर अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

थाना ड्रमण्डगंज जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 21.04.2025 को वादी भागीरथी पाल पुत्र रामदयाल निवासी हाटा थाना हनुमना जनपद रीवा मध्यप्रदेश द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादी की पुत्री की दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित करने एवं जान से मार देने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई, ।उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना ड्रमण्डगंज पर मु0अ0सं0-54/2025 धारा 85,80(2) बीएनएस व श डीपी एक्ट पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई थी ।सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता पूर्वक लेते हुए महिला सम्बन्धित अपराध में त्वरित कार्यवाही करते हुए अभियुक्तों की यथाशीघ्र गिरफ्तारी हेतु क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में थाना प्रभारी ड्रमण्डगंज को निर्देश दिये गये ।उक्त निर्देश के अनुक्रम में आज दिनांकः 06.08.2025 को थानाध्यक्ष ब्रह्मदीन पाण्डेय मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित 01 अभियुक्त दीपचन्द्र पाल पुत्र विष्णुपाल निवासी बंजारी कला थाना ड्रमण्डगंज जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना को0देहात पुलिस द्वारा नाबालिक के साथ दुष्कर्म करने के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

थाना को0देहात, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 20.06.2025 को एक व्यक्ति द्वारा नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध वादी की भांजी के साथ दुष्कर्म करने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना को0देहात पर मु0अ0सं0-267/2025 धारा 352,351(1),65(2) बीएनएस व 5एस/6 पाक्सो एक्ट पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक थाना को0देहात को अभियुक्त की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना स्थानीय पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में सुरागरसी पतारसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः 06.08.2025 को प्रभारी निरीक्षक सदानन्द सिंह व उप निरीक्षक कुमार संतोष मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना को0देहात क्षेत्र से मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित अभियुक्त करन चौहान उर्फ भोला चौहान पुत्र राजकुमार चौहान निवासी धौरूपुर थाना को0देहात को अंतर्गत धारा 352,351(1),65(2) बीएनएस व 5एस/6 पाक्सो एक्ट में हिरासत में लेकर कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना जिगना पुलिस द्वारा नाबालिक को बहला फुसला के भगाने व दुष्कर्म के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

थाना जिगना, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 20.06.2025 को एक महिला द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादिनी की नाबालिक पुत्री को बहला झफुसला के भगाने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना जिगना पर मु0अ0सं0-183/2025 धारा 137(2) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक थाना जिगना को अभियुक्त की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना स्थानीय पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में सुरागरसी पतारसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः 06.08.2025 को उप निरीक्षक रामाश्रय सिंह मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना जिगना क्षेत्र से मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित अभियुक्त भेजा गया ।

अन्तर मण्डलीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता का समापन समारोह और पुरस्कार वितरण आयोजित

महाप्रबंधक ने किए पुरस्कार वितरित और विजेताओं को किया सम्मानित

प्रतियोगिता में मुख्यालय बनी विजेता

भारत संवाद

उत्तर मध्य रेलवे द्वारा दो दिवसीय अन्तर मण्डलीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता 2025 (सांस्कृतिक महोत्सव) का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में मुख्यालय की टीम प्रथम स्थान पर तथा आगरा मंडल द्वितीय एवं प्रयागराज मंडल तीसरे स्थान पर रही। इस सांस्कृतिक महोत्सव का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह स्पन्दन रेल अधिकारी क्लब में आयोजित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री उपेन्द्र चन्द्र जोशी महाप्रबन्धक उत्तर मध्य रेलवे थे। महाप्रबन्धक महोदय द्वारा विजेताओं को पुरस्कार एवं मण्डल शील्ड प्रदान की गई। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल को भी शील्ड एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में शास्त्रीय गायन, सुगम संगीत गायन, एकल शास्त्रीय नृत्य, वादन शास्त्रीय, मोनो एक्टिंग में मुख्यालय विजेता बनी। समूह नृत्य में प्रयागराज मंडल, वादन लाइट, नाटक, स्किट, एवं मिमिक्री में आगरा मंडल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में उत्तर मध्य रेलवे के मुख्यालय एवं सभी मण्डलों व इकाईयों के 110 प्रतिभागियों ने नाट्य, नृत्य, वाद्य एवं संगीत की 10 उप विधाओं में अपनी प्रस्तुति दी। ज्ञात हो कि, प्रतियोगिता का उदघाटन दिनांक 04-08-2025 को द्वीप प्रज्जवलित कर किया गया था। प्रतियोगिता को उत्तर मध्य सांस्कृतिक केन्द्र प्रयागराज में आयोजित किया गया तथा पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह का आयोजन स्पन्दन रेल अधिकारी क्लब उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज में आयोजित किया जा रहा है । प्रथम बार आयोजित अन्तर मण्डलीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता में डिस्काउन्ट के दुल्हे , लखन पटवारी, नाई का रहस्य, तथा फटी पैन्ट शीर्षक वाले नाटको का मंचन किया गया। मोनो एक्टिग की उपविधा में बुढ़ी मां, हमारी मुनिया, लाइफ आफ स्ट्रगलर जैसी मनमोहक प्रस्तुति कलाकारों के द्वारा दी गयी। नृत्य विधा में ब्रज की होली, राजस्थानी नृत्य की प्रस्तुति क्रमशः प्रयागराज मंडल एवं मुख्यालय की टीमों के द्वारा दी गयी। समापन समारोह में भी कुछ चुनिंदा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

जिलाधिकारी ने फैमिली आईडी कार्ड बनाने के कार्य को शीघ्रता से पूर्ण किये जाने के दिए निर्देश

- जिलाधिकारी ने पी0एम सूर्यघर योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कराये जाने के दिए निर्देश
- जिलाधिकारी ने सभी खण्ड विकास अधिकारियों को आवास योजना के तहत चल रहे कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करने के दिए निर्देश

भारत संवाद

जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को संगम सभागार में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों को सरकार द्वारा चलायी जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं से सभी पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित कराये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने सख्त हिदायत देते हुए कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन एवं निर्माणकार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयसीमा में पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए पीएम सूर्यघर योजना में निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित किये जाने के निर्देश सम्बंधित विभाग को दिए है। उन्होंने पी0एम सूर्यघर योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कराये जाने तथा रैकिंग में सुधार लाये जाने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री आवास योजना को प्राथमिकता पर रखते हुए इस योजना में किसी भी पात्र व्यक्ति का नाम नहीं छूटना चाहिए। उन्होंने कहा निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष टारगेट को प्राप्त करें। उन्होंने खण्ड विकास अधिकारियों को आवासों की जिओ टैगिंग कराने के लिए कहा है। उन्होंने सभी खण्ड विकास अधिकारियों को सचिव व एडीओ पंचायत के द्वारा क्षेत्र में जाकर मुख्यमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत प्रथम किश्त प्राप्त कर चुके लाभार्थियों के आवास निर्माण का समय से प्रारम्भ कराये जाने तथा खण्ड विकास अधिकारियों को इसका स्थलीय निरीक्षण करने के लिए भी कहा है। जिलाधिकारी ने सभी खण्ड विकास अधिकारियों को फैमिली आईडी कार्ड बनाये जाने से सम्बंधित कार्य को पूर्ण शीघ्रता से पूर्ण कराने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने 15वें वित्त आयोग के अन्तर्गत विकास कार्यों के लिए स्वीकृत धनराशि का प्रयोग निर्धारित जगह पर हो तथा कराये जाने वाले कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाये। जिलाधिकारी ने पीडब्लूडी विभाग से सम्बंधित सड़को के अनुरक्षण की समीक्षा के दौरान कहा कि नई स्वीकृतियों के टेण्डर सम्बंधी कार्य को समय से पूरा कराकर निर्माण कार्य शुरू करा दिया जाये। उन्होंने आपरेशन कायाकल्प के तहत कराये जा रहे कार्यों की रैकिंग में सुधार लाये जाने के निर्देश दिए है। जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने चल रहे कार्यों को मैनपॉवर बढ़ाकर गुणवत्तापूर्ण ढंग से समय से पूर्ण कराने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि यदि कार्यदायी संस्था द्वारा कार्य में लापरवाही बरते जाने की शिकायत पायी गयी

प्रयागराज में राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

भारत संवाद

प्रयागराज, राज्यसभा सांसद और ऑल इंडिया कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष जनाब इमरान प्रतापगढ़ी का यौमे पैदाइश आज कांग्रेस नेता नोमान शकील द्वारा अहमदगंज स्थित अपने कैम्प कार्यालय में बड़े धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य नागरिक, महिलाएं और बच्चे उपस्थित रहे। छोटे-छोटे बच्चों ने मिलकर केक काटा और पूरे वातावरण को खुशी और जोश से भर दिया। इस मौके पर कांग्रेस नेता नोमान शकील ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि जब देश में नफरत का बीज बोया जा रहा है और संविधान के साथ खिलवाड़ हो रहा है, तब हमारे नेता राहुल गांधी जी संसद से लेकर सड़क तक देश के भविष्य की रक्षा के लिए संघर्षरत हैं। उन्होंने कहा कि अब वह दिन दूर नहीं जब देश में एक नया युग शुरू होगा, जहां नवजवान और किसान सम्मान के साथ प्रेम और भाईचारे को आगे बढ़ाएंगे। कार्यक्रम के अंत में नोमान शकील ने जनाब इमरान प्रतापगढ़ी को जन्मदिन की बधाई देते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही परी बस्ती में मिठाई का वितरण किया गया और ढोल-नगाड़ों के साथ जश्न मनाया गया। कार्यक्रम में सरफराज आलम अंसारी, हाजी सहल अहमद, हाजी सज्जू खान, हाजी अदनान सुहल, गुलाम जिलानी अंसारी, यूसुफ नदीम, इरफान रजा कादरी, मोहम्मद श्रमिक, श्रीमती हाजरा बीबी, श्रीमती फरजाना सिद्दिकी, कुलसुम बानो, अकील अहमद, हाफिज अहमद अर्शी, रोशन शर्मा, सलमान माली, मोहम्मद इमरान, मोहम्मद शारिब, फैजान नकद, नियाज अहमद सहित कई लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अभियान चलाकर साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने के दिए निर्देश

जिलाधिकारी ने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुई सड़कों को ठीक कराये जाने के दिए निर्देश

भारत संवाद

- जिलाधिकारी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मोहल्ला वाइज मेडिकल टीम लगाये जाने के दिए निर्देश
- जिलाधिकारी ने कंट्रोल रूम में आने वाली शिकायतों का त्वरित गति से निस्तारण सुनिश्चित कराये जाने के दिए निर्देश
- बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में फसलों के नुकसान का आंकलन कराये जाने के निर्देश

जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को सर्किट हाउस के सभागार में बाढ़ से निपटने एवं बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में पानी के कम होने पर वहां पर अभियान चलाकर साफ-सफाई एवं चिकित्सा की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने के सम्बंध में सभी सम्बंधित अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है। जिलाधिकारी शहरी क्षेत्रों में नगर निगम को एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जिला पंचायतराज अधिकारी को जहां पर बाढ़ का पानी कम हो रहा है, उन स्थानों पर व्यापक स्तर पर अभियान चलाकर साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि साफ-सफाई की व्यवस्था अच्छे ढंग से होने पर वहां पर बीमारियों के फैलने की सम्भावना नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि एण्टीलार्वा का नियमित रूप से छिड़काव सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने कहा कि बाढ़ के जलस्तर कम होने के उपरांत मोहल्लों गंदगी, विद्युत, राशन आदि की समस्या से निपटने के लिए क्षेत्रवार ड्यूटी पर लगाये गये मजिस्टेज्ट अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमणशील रहकर सम्बंधित विभागीय अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित करायें। जिलाधिकारी ने कहा कि जहां पर बाढ़ का पानी है, वहां पर सुरक्षा के दृष्टिगत यदि बैरिकेटिंग की आवश्यकता हो, तो वहां पर बैरिकेटिंग अवश्य करा दी जाये तथा वहां पर लोगो के आवागमन को प्रतिबंधित कर दिया जाये। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में मोहल्ला वाइज स्वास्थ्य विभाग की टीम लगाकर लोगो को स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराये जाने के लिए कहा है साथ ही साथ उन्होंने मेडिकल टीम को डोर-टू-डोर भ्रमण कर लोगो को चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराये जाने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने पीडब्लूडी एवं अन्य सम्बंधित विभागों को ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुई सड़कों को तेजी से ठीक कराये जाने के संबंध में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि यदि कहीं पर पुलिया क्षतिग्रस्त हो गई हो या कहीं पर गड्ढ़ा हो गया हो और उसको यदि तत्काल नहीं ठीक कराया जा सकता है, तो वहां पर साइनेज लगाये जाने के निर्देश दिए है ।जिलाधिकारी ने बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में जहां पर बाढ़ का पानी कम हो गया है और घरों के अंदर पानी इकट्ठा है और पानी निकलने की व्यवस्था नहीं है, वहां पर पम्प के माध्यम से पानी निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने के लिए कहा है।

मंजूरी

उत्तर मध्य रेलवे के लिए ह्स अंब्रेला कार्य के अंतर्गत 540 करोड़ का सब-अंब्रेला कार्य स्वीकृत किया

309.26 करोड़ की लागत से उत्तर मध्य रेलवे के 790 रूट किलोमीटर मार्गों पर कवच प्रणाली को मिली मंजूरी

भारत संवाद

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा रेल सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए उत्तर मध्य रेलवे (NCR) के 790 रूट किलोमीटर मार्गों पर अत्याधुनिक कवच प्रणाली की स्थापना हेतु 309.26 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की गई है। यह स्वीकृति वर्ष 2024-25 के वर्क्स, मशीनरी एवं रोलिंग स्टॉक प्रोग्राम के तहत भारतीय रेलवे के शेष मार्गों पर कवच तथा संचार बैकबोन हेतु लॉन्ग टर्म एवोल्यूशन (LTE) की व्यवस्था शीर्षक से 27,693 करोड़ के अंब्रेला कार्य के अंतर्गत प्रदान की गई है। उत्तर मध्य रेलवे के लिए इस अंब्रेला कार्य के अंतर्गत 540 करोड़ का सब-अंब्रेला कार्य स्वीकृत किया गया है, जिसमें से 309.26 करोड़ की लागत से कवच प्रणाली हेतु मदवार कार्य को मंजूरी मिली है। प्रस्ताव में उल्लेख किया गया है कि भारतीय रेलवे के समस्त मार्गों पर कवच तकनीक का क्रियान्वयन प्रगति पर है, और उत्तर मध्य रेलवे के शेष मार्गों पर भी इस प्रणाली को लागू किया जाना आवश्यक है, जिससे ट्रेनों के संचालन में और अधिक सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके ।इस मद के अंतर्गत प्रयागराज मंडल के शिकोहाबादफरुर्खाबाद खंड (103.58 किमी), आगरा मंडल के धौलपुरसमथुरा (70 किमी) एवं भांडईउदईमोड़ (113 किमी), तथा झाँसी मंडल के ललितपुरखजुराहो (164 किमी), बिरलानगरउदईमोड़ (102 किमी), खजुराहोमहोबा (64 किमी), अकळकोंच (13 किमी), और अलीगढ़हरदुआगंज (14 किमी),खुर्जा जंक्शनखुर्जा सिटी (4 किमी),बरहनएटा (58 किमी), इटावामैनपुरी (54 किमी), कानपुरअनवरगंज खंड (2.42 किमी), मोहारीटंटपुर (18 किमी),उदिमोरइटावा (10 किमी) खंडों पर कवच प्रणाली स्थापित की जाएगी।

भारतीय रेलवे अगले 6 वर्षों में देशभर के प्रमुख रेलमार्गों पर कवच 4.0 को लागू करने की दिशा में तेजी से कार्य कर रहा है। अभी तक 30,000 से अधिक रेलवे कर्मियों को कवच प्रणाली पर प्रशिक्षण दिया जा चुका है। रेलवे द्वारा हर वर्ष सुरक्षा गतिविधियों पर 1 लाख करोड़ से अधिक निवेश किया जा रहा है – और कवच इस दिशा में उठाया गया निर्णायक कदम है।

शशिकांत त्रिपाठी ,मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, उत्तर मध्य रेलवे

उत्तर मध्य रेलवे के 790 रूट किलोमीटर मार्गों पर कवच प्रणाली के क्रियान्वयन हेतु ?309.26 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की गई है, जो रेल सुरक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह कार्य रेलवे बोर्ड द्वारा स्वीकृत 27,693 करोड़ के अंब्रेला प्रोजेक्ट के अंतर्गत किया जाएगा, जिसमें ठउफ के लिए ?540 करोड़ का उप-अंब्रेला कार्य निर्धारित किया गया है। यह स्वीकृति प्रयागराज, झाँसी और आगरा मंडलों के कुल 14 रेलखंडों में कवच प्रणाली लागू करने हेतु प्राप्त हुई है। उत्तर मध्य रेलवे इस तकनीकी पहल को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षा-केंद्रित दृष्टिकोण से पूर्ण करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उत्तर मध्य रेलवे इस योजना को निर्धारित समयसीमा में और उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुरूप क्रियान्वित करने के लिए पूर्णतः कटिबद्ध है

मण्डलायुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने चुनार तहसील में बाढ़ग्रस्त क्षेत्रो का किया निरीक्षण

भारत संवाद

- वितरण किए जाने वाले लंच पैकेट की गुणवत्ता का किया निरीक्षण-नावों की संख्या बढ़ाकर पात्र प्रभावित लोगो में ससमय वितरण करने का दिया निर्देश
- जिलाधिकारी ने प्रशासन द्वारा मुहैया कराए जाने वाले भोजन, पानी, चिकित्सा व पशुओं के चारा आदि के बारे में दी विस्तृत जानकारी

मीरजापुर - मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल बालकृष्ण त्रिपाठी, पुलिस महानिरीक्षक आर0पी0 सिंह, जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा ने बाढ़ग्रस्त क्षेत्र चुनार तहसील अन्तर्गत ग्राम बेला में पहुंचकर राहत कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त ने बेला गांव से बगही की तरफ जाने वाले मार्ग में भरे पानी के उस पार बगही सहित 12 ग्राम सभाओं में प्रभावित ऐसे लोगो को जो अपने घरो में है को दी जा रही राहत सामाग्री, लंच पैकेट, ड्राई फूड, मेडिकल एवं पशुओं के लिए चारा, जीवन रक्षक दवाएं, टीकाकरण आदि के बारे में जानकारी ली ।इस अवसर पर गांव के प्रभावित लोगो के लिए नाव पर रखे लंच पैकेट को देखा तथा लंच लेकर खोलकर उसकी गुणवत्ता व पैकेट में दी जा रही सामाग्रियों का निरीक्षण किया। जिसमें 07 पूड़िया, सब्जी, मिठाई रखे गए थें। मण्डलायुक्त ने कहा कि पूड़ियों की संख्या बढ़ा दी जाए ताकि लोगो को पर्याप्त भोजन मिल सकें ।उन्होंने कहा कि राहत वितरण में पारदर्शिता और नियमितता बनी रहनी चाहिए, और कोई पात्र व्यक्ति वंचित न रहने पाए। मण्डलायुक्त ने किसानों की बाढ़ से नष्ट फसलों के संबंध में बीमा कंपनियों से तत्काल समन्वय स्थापित कर किसानों के फसल क्षति का समुचित मुआवजा दिलवाना सुनिश्चित करें। मंडलायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाढ़ का पानी उतरने के बाद प्रभावित क्षेत्रों में फसल क्षति का व्यापक सर्वे कराया जाए और उसकी रिपोर्ट के आधार पर सहायता उपलब्ध कराई जाए। इस दौरान पुलिस महानिरीकक्ष आर0पी0 सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा ने स्थानीय पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में गश्त व निगरानी बढ़ाएं, ताकि राहत कार्यों में कोई व्यवधान न आए।

जिलाधिकारी पवन गंगवार ने मण्डलायुक्त को बताया कि प्रशासन द्वारा राहत शिविरों और प्रभावित गांवों में भोजन, पानी, चिकित्सा, स्वच्छता और पशुओं के चारे की पूरी व्यवस्था की गई है। उन्होंने ग्रामीणो से अपील की है कि वे किसी अफवाह में न आएं और जरूरत पड़ने पर तुरंत स्थानीय अधिकारियों से संपर्क करें। यह भी कहा कि कोई व्यक्ति पानी में स्नान व आदि कार्य हेतु न जाए।

जनप्रतिनिधियों की मीटिंग में मेयर पर भड़के मुख्य मंत्री - कहा अपनी नाक तो कटवा ही ली साथ में पार्टी की भी

भारत संवाद

अलीगढ। महानगर की साफ सफाई ध्वस्त, प्लाटों में भरे कचरे के डेढ़ और शहर की गंदगी को देख कर भड़कते हुऐ अपनी नारजगी दिखाई। मंगलवार को कलक्ट्रेट में जनप्रतिनिधियों साथ मीटिंग में यहां के मेयर प्रशांत सिंघल से पूंछा महानगर का क्या हाल बना रखा है। इतना पैसा दिया जारहा है कहां और कैसे खर्च किया गया है। सफाई तक ढंग से नहीं हो रही है कूड़े के डेढ़ लगे हैं। मुख्य मंत्री ने प्रशांत सिंघल से कहा तुम्हें गाजियाबाद से सीख लेनी चाहिए,बोले तुमने तो नाक कटवाली, संगठन की भी कटवा दी।स्मार्ट सिटी के कराये कार्यों की जांच कराई जाये, नालों के निर्माण, जवाहर पार्क में हुऐ कामों की गुणवत्ता पर भी सबाल उठाये ,कहा इसकी जांच कराकर ठेकेदार व जिम्मेदारों पर सख्त कर्यवाई की जाए। साफ सफाई की शिकायत तो मुख्य मंत्री को पहले भी की जा चुकी है और मेयर दावा करते हैं महानगर चमक रहा है। मंगलवार को जब मुख्य मंत्री का हेलीकाप्टर आईटीआई मैदान पहुंचा तो वह हकीकत पहले ही समझ गये थे। महानगर को कूड़े का ढेर बना दिया गया है अलीगढ प्रदेश में साफ सफाई के मामले में 25 वें स्थान पर पहुंच गया है।शहर की खराब हालत को देखते हुए यहां के नगरायुक्त पर कार्यवाही करने के लिए प्रमुख सचिव नगर विकास को आदेश दिये। उन्होंने सारसौल चौराहे से नंदा पुल व सारसौल चौराहे से भाकरी तक पी डब्ल्यू डी द्वारा बनाई जारही सड़क की गुणवत्ता पर भी नाराजगी जताई। इस पर मण्डलायुक्त संगीता सिंह व स्थानीय सांसद सतीश गौतम ने मुख्य मंत्री से कहा यहां के नगरायुक्त प्रेम प्रकाश मीणा यहां एक माह पूर्व ही आये हैं।

अलीगढ़ ने पूरे प्रदेश में मारी बाजी, संपूर्णता अभियान में प्रथम स्थान पर रहा

नीति आयोग ने संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह में जिलाधिकारी को प्रदान किया मेडल

50 मेडलों के साथ मिली ऐतिहासिक उपलब्धि

डोली शर्मा संवादाता/भारत संवाद

अलीगढ़। नीति आयोग, भारत सरकार के निदेर्शों व राज्य सरकार के मार्गदर्शन में चलाए गए संपूर्णता अभियान में अलीगढ़ ने प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। नीति आयोग द्वारा राज्य स्तर पर आयोजित संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह में जिलाधिकारी संजीव रंजन को मेडल प्रदान किया गया। अभियान के तहत आकांक्षात्मक विकासखंड गंगीरी में स्वास्थ्य, आईसीडीएस और कृषि विभाग के कुल 5 इंडीकेटर्स पूर्णतः संतृप्त किए गए। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर जिले को 50 मेडल और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती विजय सिंह, ब्लॉक प्रमुख श्री योगेश कुमार यादव ने संयुक्त रूप से कल्याण सिंह हैबिटेट सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित कर सम्मान समारोह का शुभारंभ किया। आकांक्षा हॉट में 20 विभागीय स्टॉलों पर स्थानीय उत्पादों का प्रदर्शन व बिक्री की गई, साथ ही मृदा परीक्षण व स्वास्थ्य जांच भी संपन्न हुई। इस अवसर पर जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग द्वारा जिले के सभी विकासखण्डों से आए 118 युवक एवं 149 महिला मंगल दलों को खेल प्रोत्साहन किट का वितरण किया गया। सम्मान पाने वालों में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. नीरज त्यागी, खंड विकास अधिकारी गंगीरी आलोक आर्य, उपायुक्त स्वरोजगार मंजू त्रिवेदी, जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी ए.के. दीक्षित, अपर जिला सांख्यिकी अधिकारी मनवीर सिंह एवं मुख्यमंत्री एपीओ फेलो संदीप मौर्य समेत ब्लॉक एवं ग्राम स्तरीय अधिकारियों को भी सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि अलीगढ़ प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों व फ्रंटलाइन वर्कर्स की मेहनत और समर्पण का परिणाम है, जो जिले के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। कार्यक्रम में पीडी भाल चन्द, क्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी संजीदा बेगम, सहायक आयुक्त उद्योग राजमन विश्वकर्मा, डॉ राष्ट्र वर्धन लोधी रणधीर सिंह प्रभारी युवा कल्याण अधिकारी, सीडीपीओ गंगीरी विष्णु कुमार, मुख्य सेविका विमला देवी, ह्रदेश शिरोमणी, ब्लॉक कॉडिनेटर मो0 जमीरूद्दीन अंसारी, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी कपिल शर्मा, राजदीप चौधरी, राहुल कुमार, जितेंद्र कुमार, नितेश तंवर, अनिल कुमार समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

फास्ट ट्रैक

नाबालिग के दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

सहारनपुर। थाना देवबंद पुलिस द्वारा नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म के वांछित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जानकारी के अनुसार 4 अगस्त को मुकदमा वादी ने थाने पर आकर लिखित सूचना दी कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा वादी की नाबालिग बहन उम्र 15 वर्ष को बहला फुसलाकर ले गया है वादी की तहरीर के आधार पर थाना पर मुकदमा पंजीकृत कराया गया। एसएसपी ने मामले का संज्ञान लेते हुए तत्काल अभियुक्त की गिरफ्तारी व पीडिता की बरामदमी हेतु निर्देश दिये। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी देवबन्द के निकट पर्यवेक्षण में व प्रभारी निरीक्षक नरेन्द्र कुमार शर्मा के निर्देशन मे थाना देवबन्द पुलिस द्वारा अभियोग की पीडिता को 5 अगस्त को सकुशल बरामद किया गया एवंम अभियुक्त गौरव पुत्र सोनू निवासी ग्राम अजीतपुर थाना कनखल जनपद हरिद्वार उत्तराखण्ड को मुखबिर की सूचना पर ग्राम अजीतपुर थाना कनखल जनपद हरिद्वार से गिरफ्तार किया गया। तथा विवेचना से मुकदमा उपरोक्त मे धारा 65(1) बीएनएस व 4(2) पोक्सो अधिनियम की वृद्धि की गयी। पुलिस टीम में थाना देवबंद एसआई सुभाष शर्मा, आरक्षी पंकज सैनी शामिल रहे।

खिलाडियों ने उम्दा प्रदर्शन कर मनमोहा

सहारनपुर। खेल प्रतियोगिता का आयोजन कलसिया रोड स्थिज जेवी जैन कालेज के प्रांगण में किया गया जिसमें विभिन्न स्कूलों के खिलाडियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का नेतृत्व स्कूल के खेल टीचर कुलभूषण व खालसा पब्लिक स्कूल के खेल शिक्षक समीर खान के प्रयासों से लगभग 1560 खिलाडियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन प्रधानाचार्य दीपक कुमार गुप्ता ने किया। खालसा पब्लिक स्कूल के खेल शिक्षक समीर खान के प्रशिक्षण में मौ. इस्माईल ने सब जूनियर में सीओसी ट्राफी जीती अन्य खालसा के दो खिलाडियों मौ. अयान ने तीसरा व अकिल राव दूसरे स्थान पर रहे। निर्णायक मण्डल में नितिन भार्गव, अनिष्का सुहानी, समीर खान का विशेष सहयोग रहा। सीनियर वर्ग में आशुतोष भारती, मोनू शर्मा, युवराज, रजत व शिवम कुमार, सीमा रहे।

एसएसपी से लगायी न्याय की गुहार

सहारनपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को सौंपे शिकायती पत्र में महिला ने न्याय की गुहार लगाते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को सौंपे शिकायती पत्र में थाना कोतवाली देहात निवासी श्रीमती जाहिदा पत्नी शहजाद ने बताया कि उसने अपने पुत्र की शादी इकराम की पुत्री सलमा निवासी कृष्णा विहार से करवा दी थी। शादी के कुछ समय बाद से ही उसकी पत्नी का व्यवहार सलमान के प्रति ठीक नहीं रहता था। जब भी उसका पुत्र उसे समझाने का प्रयास करता तो वह उसके साथ अभद्रता से पेश आती थी। पारिवारिक कलह के कारण सलमान की पत्नी ने अपने जानकार के साथ मिलकर 31 मई 2025 को जहरीला पदार्थ खिला दिया था जिससे सलमान की मृत्यु हो गयी थी। सलमान की हत्या की उसकी पत्नी व उसके प्रेमी का हाथ है। जिसकी पुलिस द्वारा सही तरीके से जांच की जाये तो हत्या का खुलासा हो सकता है। सलमान की पत्नी ने योजनाबद्ध तरीके से सलमान का पोस्टमार्टम नहीं कराया और आनन फानन में उसे दफना दिया गया। पीड़िता ने मांग की है कि सलमान का पोस्टमार्टम पुनः कराया जाये ताकि सलमान की हत्या में दोषियों के खिलाफ सही जांच हो सके और दोषियों को जेल भेजा जा सके।

पुलिस ने शांति भंग में चार दबोचे

सहारनपुर। थाना बडगांव पुलिस ने शांति भंग के आरोप में चार व्यक्तियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। एसएसपी के निर्देशन में अपराध नियन्त्रण एव आपराधिक घटनाओ की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी देवबन्द के निकट पर्यवेक्षण में तथा थाना प्रभारी विनय शर्मा के कुशल नेतृत्व में थाना बडगांव पुलिस द्वारा आज अलग अलग दो विवादो में अभियुक्तगण बिलाल पुत्र शहजाद, तमजीद पुत्र शहजाद, साकिर पुत्र साजिद, शुऐब पुत्र जब्बार निवासीगण ग्राम अम्बेहटा मोहन थाना बडगांव जनपद सहारनपुर को शांति व्यवस्था भंग करते हुए अन्तर्गत धारा 170 बीएनएसएस गिरफ्तार किया गया।

अलीगढ़ की सफाई व्यवस्था में मुख्यमंत्री जी की नाराजगी के बाद कमिश्नर ने सख्त रूख अपनातेहुए लिया कड़ा एक्शन, सफाई व्यवस्था की करेंगी स्वयं मॉनिटरिंग

तत्काल टीमें बनाकर युद्धस्तर पर शहर के सभी स्थानों पर सफाई व्यवस्था का कार्य प्रारम्भ कराने के दिए निर्देश

सांसद, विधायकगण, एमएलसी की जनता के प्रति अपील लेकर उन्हें आउटडोर एलईडी स्क्रीन पर चलाने और फ्लैक्स लगवाने के दिये निर्देश

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा भ्रमण कार्यक्रम में नगर निगम की सफाई व्यवस्था के प्रति नाराजगी प्रकट करने के बाद आयुक्त, अलीगढ़ मण्डल, अलीगढ़ श्रीमती संगीता सिंह द्वारा कड़ा रूख अपनाते हुए अलीगढ़ शहर की सफाई व्यवस्था सुधारने एवं शहर को स्वच्छएवं सुन्दर बनाने के लिए कार्यालय कक्ष में नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा सहित नगर निगम के अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।मण्डलायुक्त ने निर्देशित किया कि तत्काल ऐसे स्थलों को चिन्हित कर लिया जाये जहाँ पर नियमित रूप से कूड़ा पड़ता है या कचरे के ढेर लगे हुए है। उन्होंने विशेषकर दोदपुर, मैरिस रोड, सेंटर प्वाइंट, नुमाईश ग्राउंड, नगर के सभी व्यवसायिक बाजार, शाहजमाल रोड़, सासनीगेट, रामघाट रोड़ पर गन्दगी को समाप्त करने के लिए नगर निगम को तत्काल 50 गैंग व 50 व्हीकल बढ़ाते हुए सभी टीमों को दो शिफ्टों में एक साथ कार्य आरंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि साफ-सफाई के लिए महा अभियान चलाकर ऐसे सभी स्थलों को साफ-सुथरा बनाया जाये ताकि आमजन को स्वच्छता की अनुभूति हो सके। नगर में स्वच्छता अभियान एवं गीला कूड़ा एवं सूखा कूड़ा घरों से ही पृथक दिये जाने के लिए वार्डस्तर पर सम्बन्धित पार्षद की अध्यक्षता में वार्डों में स्वच्छता निगरानी समिति का गठन कर उनकी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि सम्पूर्ण नगर निगम क्षेत्र में ह्लमेरा वार्ड सबसे स्वच्छ वार्ड अभियान चलाते हुए प्रतिस्पर्धा का आयोजन भी किया जाये, जिसमें उच्च स्थान पाने वाले वार्डों के पार्षद, स्वच्छता निगरानी समिति एवं कार्यों में सहयोग करने वाले स्वयंसेवकों को सम्मानित किया जाये। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि स्वच्छता समितियों में मा0 विधायक एवं अन्य सम्मानित जनप्रतिनिधियों व राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों को सम्मिलित करते हुए नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में मा0 सांसद, मा0 विधायकगण, मा0 एमएलसी की अपील की वीडियो क्लिप आउटडोर एलईडी के माध्यम से प्रसारित किया जाये। नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि डोर-टू-डोर कलैक्शन में सूखा-गीला कूड़ा पृथक-पृथक करके दिये जाने के लिए वाहन में व्यवस्था दी गई है। किन्तु अभी तक आम नागरिकों में कूड़े को अलग-अलग दिये जाने की आदत नहीं बनी है। इस पर मण्डलायुक्त ने निर्देशित किया कि स्वच्छता निगरानी समिति एवं नगर निगम के वाहनों से प्रचार-प्रसार कर लोगों से अपील की जाये।

पशु चोरी का आरोपी गिरफ्तार

भारत संवाद

सहारनपुर। थाना सरसावा पुलिस ने पशु चोरी के अभियोग में वांछित एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 2600 रुपए नगदी भी बरामद की है। गत 25 जुलाई को थाना सरसावा पर वादी महावीर सिंह पुत्र पहल सिंह निवासी ग्राम माजरी कला थाना सरसावा जिला सहारनपुर द्वारा एक किता लिखित तहरीर बाबत अपनी एक भैंस को अभियुक्त इदरीश पुत्र इस्लाम निवासी ग्राम तेलीपुरा थाना सरसावा जनपद सहारनपुर द्वारा चोरी कर ले जाने के सम्बन्ध में मुकदमा पंजीकृत कराया गया था। एसएसपी के निर्देशन में अपराध की रोकथाम व वांछित, शातिर अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अनुपालन में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी नकुड के निकट पर्यवेक्षण में तथा थाना प्रभारी सरसावा विनोद कुमार के कुशल निर्देशन मे थाना सरसावा पुलिस आज अभियुक्त इदरीश पुत्र इस्लाम निवासी ग्राम तेलीपुरा थाना सरसावा जनपद सहारनपुर को ग्राम कुण्डा कल्याणपुर तिराहा से गिरफ्तार किया गया।

दो शातिर नशा तस्कर गिरफ्तार, 157 ग्राम चरस बरामद

भारत संवाद

सहारनपुर। पुलिस ने दो अलग अलग थाना क्षेत्रों से दो शातिर नशा तस्करों को गिरफ्तार कर कुल 157 ग्राम अवैध चरस बरामद की है। पुलिस ने दोनों को नशा अधिनियम की धाराओं में चालान कर जेल भेज दिया।

जानकारी के अनुसार थाना फतेहपुर पुलिस ने आज एक शातिर नशा तस्कर अभियुक्त वसीम पुत्र जब्बार नि0 ग्राम फतेहपुर भादो थाना फतेहपुर जनपद सहारनपुर को वीर विजय कालेज के पास आम के बाग से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त रिहान उपरोक्त के कब्जे से 135 ग्राम अवैध चरस बरामद की तो वही दूसरी ओर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी सदर के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक चन्द्रसेन सैनी के कुशल नेतृत्व में थाना चिलकाना पुलिस टीम द्वारा 5 अगस्त को मुमताज कॉलोनी से पहले खाली पड़े प्लॉट के पास सुनसान रास्ता कस्बा सुल्तानपुर से एक शातिर नशा तस्कर फरमान उर्फ फानू पुत्र इरफान उर्फ पीरु केयर ऑफ फजलू निवासी मौहल्ला मजहर हसन थाना चिलकाना जिला सहारनपुर को 22 ग्राम अवैध स्मैक व एक मोटरसाईकिल के साथ गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के विरूद्ध थाना चिलकाना पर मुअस 185/25 पंजीकृत किया

सुमासपार्टी की महानगर के सर्किट हाउस में समीक्षा बैठक का हुआ आयोजन

डोली शर्मा संवादाता/ भारत संवाद

अलीगढ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की महानगर के सर्किट हाउस में स्थानीय संगठन को मजबूती प्रदान करने व वर्तमान स्थित की समीक्षा हेतू बैठक आयोजित की गईं। इस बैठक में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सचिव शिशुपाल सिंह जी व प्रदेश अध्यक्ष प्रेमचंद कश्यप जी रहे। अलीगढ़ जिला अध्यक्ष अमित जादौन ने अध्यक्षता की तथा अलीगढ़ जिला अध्यक्ष महानगर अध्यक्ष महिला जिला अध्यक्ष समस्त कमेटी व समस्त प्रकोष्ठों के जिला अध्यक्ष, विधानसभा अध्यक्ष के साथ समीक्षा गहनता पूर्वक की गईं। पार्टी के मुखिया राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर कैबिनेट मंत्री पंचायती राज के विचारों से सभी को अनुसरण, कर दिशा निर्दशों पालन करना है। राष्ट्रीय अध्यक्ष की विचारधाराओं पर प्रकाश डालाते हुऐ संगठन को और मजबूती प्रदान की जाए पार्टी के सभी बहादुर कार्यकताओं को हर प्रकार से मजबूत किया जाए। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष व जिला अध्यक्ष ने प्रकाश डालाते हुऐ कहा कि कार्यकताओं के मान सम्मान की लड़ाई में कोई समझौता नहीं होगा। जिलाध्यक्ष ने कहा मैं हक और अधिकार की बात जनपद के समस्त कार्यकताओं

के लिए उठाते रहेंगे। बैठक में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ समस्त कार्यकर्ता ने भाग लिया पार्टी को मजबूत व पार्टी की विचारधाराओं से सहमत होकर पार्टी के साथ देने के लिए एकजुट होकर हुंकार भरने के लिए तैयार रहने की कसम खाई व पार्टी के जिला उपाध्यक्ष भास्कर शर्मा के जन्म दिन के उपलक्ष में जिला अध्यक्ष अमित जादौन, प्रदेश अध्यक्ष राष्ट्रीय सचिव, महानगर अध्यक्ष, महिला जिला अध्यक्ष, के साथ मिलकर समस्त कार्यकताओं ने केक काटकर जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं दी। इस मौके पर पार्टी के समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पत्रकार हितों की रक्षा को प्रशासन प्रतिबद्ध -जिलाधिकारी

जिला स्तरीय स्थायी समिति की बैठक में उठी पुलिस रवैये से लेकर मीडिया ब्लॉक तक की समस्याएं

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): पत्रकारों की स्वतंत्रता, गरिमा और कार्य की सुगमता सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन हर संभव कदम उठाएगा। यह भरोसा जिलाधिकारी संजीव रंजन ने बुधवार को जिला स्तरीय स्थायी समिति की बैठक में दिया। कलैक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में पुलिस रवैये में मित्रवत सुधार से लेकर वीवीआईपी कार्यक्रमों में मीडिया ब्लॉक की सुरक्षा तक कई मुद्दों पर खुलकर चर्चा हुई।बैठक में एडीएम सिटी अमित कुमार भट्ट, पुलिस क्षेत्राधिकारी द्वितीय कमलेश कुमार, सहायक निदेशक सूचना एवं समिति के संयोजक संदीप कुमार सहित सदस्य दूरदर्शन संवाददाता नीरज शर्मा, एएनआई संवाददाता देवेंद्र वार्ष्णेय, प्रतीक वार्ष्णेय एवं ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन अध्यक्ष अनिल गोविल मौजूद रहे।एडी इंफॉर्मेशन संदीप कुमार ने बताया कि कई वर्षों से यह बैठक आयोजित नहीं हो पाई थी, जिसे अब नियमित रूप से कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब तक समाचार संकलन में अवरोध या उत्पीड़न की कोई लिखित शिकायत समिति को प्राप्त नहीं हुई है। अध्यक्ष ग्रामीण पत्रकार एसोशिएशन अनिल गोविल द्वारा उठाए गए बिन्दु पर सहायक निदेशक सूचना ने बताया कि मान्यता प्राप्त पत्रकारों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाने का प्राविधान शासन द्वारा किया गया है। बैठक में दूरदर्शन संवाददाता नीरज शर्मा एवं अनिल गोविल ने कवरेज के दौरान पुलिस व्यवहार को शिष्टतापूर्ण बनाए जाने का सुझाव दिया व वीवीआईपी कार्यक्रमों में पार्किंग, प्रवेश द्वार संबंधी जानकारी समय रहते जिला सूचना अधिकारी को देने की बात रखी। एएनआई संवाददाता देवेंद्र वार्ष्णेय ने हाल ही में हुई जनसभा में मीडिया ब्लॉक की आरक्षित कुर्सियों पर अन्य लोगों द्वारा कब्जा किए जाने की बात रखी, जिस पर जिलाधिकारी ने आश्वासन दिया कि भविष्य में पत्रकारों के लिए आरक्षित स्थान व सुविधाएं सख्ती से सुनिश्चित की जाएंगी।

अलीगढ़ ने पूरे प्रदेश में मारी बाजी, संपूर्णता अभियान में प्रथम स्थान

- नीति आयोग ने संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह में जिलाधिकारी को प्रदान किया मेडल
- 50 मेडल व प्रशस्ति पत्र के साथ मिली ऐतिहासिक उपलब्धि

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): नीति आयोग, भारत सरकार के निदेर्शों व राज्य सरकार के मार्गदर्शन में चलाए गए ह्लसंपूर्णता अभियानह्व में अलीगढ़ ने प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। नीति आयोग द्वारा राज्य स्तर पर आयोजित संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह में जिलाधिकारी संजीव रंजन को मेडल प्रदान किया गया। अभियान के तहत आकांक्षात्मक विकासखंड गंगीरी में स्वास्थ्य, आईसीडीएस और कृषि विभाग के कुल 5 इंडीकेटर्स पूर्णतः संतृप्त किए गए। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर जिले को 50 मेडल और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती विजय सिंह व ब्लॉक प्रमुख श्री योगेश कुमार यादव ने कल्याण सिंह हैबिटेट सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित कर सम्मान समारोह का शुभारंभ किया। ह्लआकांक्षा हॉटह्व में 20 विभागीय स्टॉलों पर स्थानीय उत्पादों का प्रदर्शन व बिक्री की गई, साथ ही मृदा परीक्षण व स्वास्थ्य जांच भी संपन्न हुई। इस अवसर पर जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग द्वारा जिले के सभी विकासखण्डों से आए 118 युवक एवं 149 महिला मंगल दलों को खेल प्रोत्साहन किट का वितरण किया गया। सम्मान पाने वालों में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. नीरज त्यागी, खंड विकास अधिकारी गंगीरी आलोक आर्य, उपायुक्त स्वरोजगार मंजू त्रिवेदी, जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी ए.के. दीक्षित, अपर जिला सांख्यिकी अधिकारी मनवीर सिंह एवं मुख्यमंत्री एपीओ फेलो संदीप मौर्य समेत ब्लॉक एवं ग्राम स्तरीय अधिकारियों को भी सम्मानित किया गया।

12 अगस्त को होगा एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन

सहारनपुर। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय द्वारा 12 अगस्त 2025 को एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की लगभग दो कम्पनियां प्रतिभाग करेंगी।सहायक निदेशक सेवायोजन ने जानकारी देते हुए बताया कि ऐसे इच्छुक अभ्यर्थी जो 10वीं, 12वीं, आईटीआई इत्यादि पास एवं 18 से 35 वर्ष की आयु के हों तो 12 अगस्त को क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय में उपस्थित होकर साक्षात्कार में भाग ले सकते है।

जिला सैनिक बन्धु की बैठक 29 अगस्त को

सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में जिला सैनिक बन्धु की बैठक 29 अगस्त को जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय के सभागार में होगी।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्याः 46-विद्युत/सा0/प्रयागराज/25-26 **दिनांकः** 02.08.2025

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत् अभियंता (सामान्य) उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक **26.08.2025** समय **15:00** बजे तक आमंत्रित करते हैं निविदा सम्बंधित विस्तृत विवरण निम्नलिखित है-

क्रम संख्याः 01	**निविदा सूचना संख्याः** ELG-91-2526
कार्य का नामः पीआरवाईजे डिवीजन (चरण-II) पर विभिन्न प्रकार के साइनेज बोर्डों का प्रावधान।	
काम की लागत (रु.में): 22397026.00	**बिड सिक्योरिटी (रु.में):** 262000.00

कार्य समाप्त करने की समयावधिः 06 माह, **निविदा खुलने की तिथिः 26.08.2025**, समय-**15:00 बजे**। **नोटः 1.** उपरोक्त ई-टेंडर के साथ पूरी जानकारी (निविदा दस्तावेज़ के साथ) वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर **15:00** बजे निविदा खोलने की तिथि तक उपलब्ध है। **1379/25 (D)**

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्याः 25/37 **दिनांकः** 05.08.2025

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज (आई. एस.ओ. 9001:2015 प्रमाणित इकाई)** निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	20253482	मेटालाइज्ड कार्बन स्ट्रिप्स	1317 नग	01.09.2025
2	38251886	लोड सेंसिंग वॉल्व टाईप-वीटीए	3873 नग	16.09.2025
3	38251612	नॉन- एस्बेस्टस 'एल' टाईप कम्पोजिशन ब्रेक ब्लॉक फॉर 1000 एमएम व्हील डाया फॉर फ्रेट स्टॉक	54890 नग	22.09.2025
4	38251888	नॉन- एस्बेस्टस 'एल' टाईप कम्पोजिशन ब्रेक ब्लॉक्स फॉर कंटेनर फ्लैट वैगन्स	45253 नग	23.09.2025
5	70254599	सेफ्टी फूटवियर	17756 पेयर्स	26.08.2025

नोटः उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण **IREPS** वेबसाईट **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र मे कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नही किया जाएगा। **1392/25(A)**

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या-230-वि0/क0वि0/प्रयागराज/ई-टेण्डर/2025/572 **दिनांकः 04.08.2025**

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/क0वि0/30म0रे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा सं0: 230-क0वि0-कार्य ठेका-962-2025

कार्य का विवरणः प्रयागराज मंडल के पंडित दीन दयाल उपाध्याय-झींझक खंड में सीटीआर, टीआरआर, टीटीआर, टीएसआर एवं यार्ड सुधार कार्यों के कारण 25 केवी ओएचई में संशोधन का कार्य।

अनुमानित लागतः रु. 1,89,97,451.58	**बिड सुरक्षा राशिः** रु. 2,45,000.00
कार्य अवधिः 18 महीना	**बोली प्रणालीः** एक पैकेट

निविदा बन्द होने की तिथि तथा समयः 26.08.2025, 14:30 बजे

निविदा खुलने की तिथि तथा समयः 26.08.2025,15:00 बजे

नोटः- 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। **2.** उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ **IREPS** की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। **3.** किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए **IREPS** की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। **1389/25 (ADM)**

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंर्टिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा। फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

एलिआये पर बना दुनिया का सबसे अकेला मकान

एलिआये नाम का एक छोटा सा आईलैंड है। जो आईसलैंड के दक्षिण में स्थित है। तस्वीर में दर्शाया गया ये मकान उसी आईलैंड पर है। इस आईलैंड पर ये इकलौता मकान है। इसकी खासियत ये है कि इसमें कोई भी नहीं रहता है। इसके अलावा यहां कोई दूसरा मकान मौजूद नहीं। कहा जाता है कि 18वीं और 19वीं सदी में कुछ लोग यहां रहा करते थे। मगर 1930 के आसपास से बेहतर जीवन की उम्मीद में लोग यहां से चले गए। माना जाता है कि ये मकान करीबन 100 सालों से वीरान है। इस मकान को बनाने के पीछे कई कहानियां बताई जाती है। कुछ लोगों का कहना है कि ये मकान किसी अरबपति ने बनवाया था। वास्तव में इसे एलिआये हंटिंग एसोसिएशन ने बनवाया था। संगठन से जुड़े लोग जब भी शिकार करने आते थे, तो वे इसी लॉज में ठहरते थे।

यहां लगता है साढे तीन साल का सूर्यग्रहण!

वैज्ञानिकों ने एक से तारे की खोज की है जहां साढे तीन वर्ष का सूर्यग्रहण लगता है। ये दो तारे हैं जो कि पृथ्वी से एक हजार प्रकाश वर्ष दूर स्थित हैं। विज्ञानियों ने टीवाइसी 2505-672-1 युगल तारों में सबसे लंबे तथा सर्वाधिक अवधि के बाद लगने वाले ग्रहण का पता लगाया है। यह शोध एस्ट्रोनोमिकल जर्नल में प्रकाशित हुआ है। वांडरबिल्ट विश्वविद्यालय के विज्ञानी जोए रोड्रिग्स ने अपने शोध में बताया कि दो विशेष खगोलीय पिंडों से यह खोज करना संभव हो पाया। वैज्ञानिकों का कहना है कि टीवाईसी बेहद दूर होने के कारण उसके चित्र आदि लेने की संभावनाएं बेहद सीमित रहीं। लेकिन वैज्ञानिकों ने सहयोगी सितारे का तापमान दर्ज कर लिया। इसके सहयोगी तारे का तापमान सूर्य की सतह से दो हजार डिग्री सेल्सियस अधिक था। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस तरह का अगला ग्रहण 2080 में लगेगा। गौरतलब है कि इससे पहले सहयोगी तारे के कारण सबसे लंबे और अधिक अवधि के ग्रहण का रिकॉर्ड 27 वर्ष और 640 से 730 दिन का था जो कि एक अन्य विशाल तारे एप्सिलोन औरिगी के नाम था जो पृथ्वी से 22 सौ प्रकाश वर्ष दूर तथा बेहद चमकीला है।

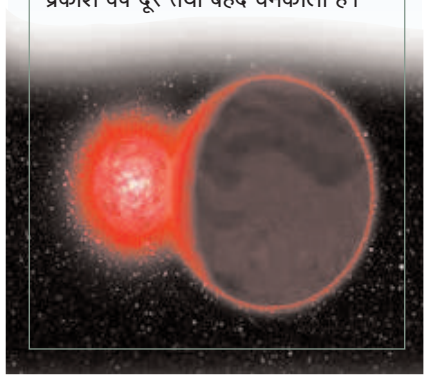

दुनिया के सबसे बड़े हिंदू मंदिर में छिपे हैं कई गहरे राज

दुनिया का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर भारत में नहीं बल्कि कंबोडिया देश में है। इस मंदिर अंकोरवाट मंदिर के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर की बनावट अद्भुत है, जिसकी वजह से यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थलों में शामिल किया हुआ है। आइए जानते हैं इस मंदिर की खास बातें और इतिहास...

यशोधरपुर था पहले इस मंदिर का नाम

हिंदू धर्म सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है। इसकी पुरातन संस्कृति की झलक पूरी दुनिया में दिखती है। यही कारण है कि इस धर्म के प्रतीक, अवशेष, चिन्ह यहां तक प्राचीन मंदिर विदेशों में भी मिलते हैं। इन्हीं प्राचीन मंदिरों में से एक है कंबोडिया का अंकोरवाट मंदिर। यह एक हिंदू मंदिर है। 402 एकड़ में फैला यह मंदिर कंबोडिया के अंकोर में है। प्राचीन समय में इस मंदिर का नाम यशोधरपुर था। बताया जाता है कि इसका निर्माण सम्राट सूर्यवर्मन द्वितीय (1112-53 ई) के शासनकाल में हुआ था। खमेर शास्त्रीय शैली से प्रभावित है यहां का खमेर शास्त्रीय शैली से प्रभावित स्थापत्य वाले इस विष्णु मंदिर का निर्माण कार्य सूर्यवर्मन द्वितीय ने प्रारंभ जरूर किया, लेकिन वे इसे पूरा नहीं कर सके। मंदिर का कार्य उनके भांजे व उत्तराधिकारी धरणीन्द्रवर्मन के शासनकाल में पूरा हुआ। मिश्र व मैक्सिको के स्टेप पिरामिडों की तरह यह सीढ़ी पर उठता गया है। इसका मूल शिखर लगभग 64 मीटर ऊंचा है। इसके अतिरिक्त अन्य सभी आठों शिखर 54 मीटर ऊंचे हैं। मंदिर साढ़े तीन किलोमीटर लंबी पत्थर की दीवार से घिरा हुआ था, उसके बाहर 30 मीटर खुली भूमि और फिर बाहर 190 मीटर चौड़ी खाई है। विद्वानों के अनुसार, यह चोल वंश के मंदिरों से मिलता-जुलता है।

इस मंदिर में स्थापित हैं भगवान विष्णु

इस मंदिर की रक्षा के लिए चारों तरफ खाई बनवाई गई, जिसकी चौड़ाई लगभग 700 फुट है। दूर से यह खाई झील की तरह दिखती है। मंदिर के पश्चिम की ओर इस खाई को पार करने के लिए एक पुल बना हुआ है। पुल के पार मंदिर में प्रवेश के लिए एक विशाल द्वार है, जो लगभग 1,000 फुट चौड़ा है। अंकोरवाट यहां का एक अकेला ऐसा स्थान है, जिसमें ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों की मूर्तियां एक साथ हैं। अंगकोरवाट मंदिर की खासियत है कि विष्णु भगवान का यह दुनिया का सबसे बड़ा मंदिर है। कंबोडिया के मीकांग नदी के किनारे सिमरिप शहर में स्थापित इस मंदिर के प्रति वहां के लोगों में अपार श्रद्धा है। यही वजह है कि इस मंदिर को राष्ट्र के लिए सम्मान का प्रतीक माना जाता है और इसे कंबोडिया के राष्ट्रध्वज में भी स्थान दिया गया है। यह मंदिर मेरु पर्वत का भी प्रतीक है।

दीवारों पर उकेरे गए हैं हिंदू धर्म से जुड़े प्रसंग

यह मंदिर सनातन संस्कृति का साक्ष्य है। इसकी दीवारों पर हिंदू धर्मग्रंथों के प्रसंगों का अद्भुत चित्रण है। आप यहां अप्सराओं का सुंदर चित्र देख सकते हैं। यहां तक कि असुरों और देवताओं के बीच हुए समुद्र मंथन के दृश्य को भी बड़े ही सुंदरता से उकेरा गया है।

यूनेस्को के विश्व धरोहरों में से एक है यह मंदिर

अंकोरवाट मंदिर विश्व के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में से एक है। यही कारण है कि इसे यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थलों में शामिल किया हुआ है। यहां लोगों को वास्तुशास्त्र का अनोखा स्वरूप देखने को मिलता है। पर्यटक यहां सिर्फ मंदिर की खूबसूरती और इतिहास जानने ही नहीं आते, बल्कि यहां से सूर्योदय और सूर्यास्त देखने का अनुभव भी असाधारण होता है। सनातन धर्म के लोग इसे पवित्र तीर्थस्थान मानते हैं।

भारतीय गुप्त कला की दिखती है झलक

इस विशाल मंदिर की दीवारों पर रामायण की कथाएं मूर्तियों में दर्शायी गई हैं। ऐसा लगता है कि विदेशों में जाकर भी प्रवासी कलाकारों ने भारतीय कला को जीवित रखा था। मंदिर में की गई कलाकारी को देखकर लगता है कि यह भारतीय गुप्त कला से प्रभावित है। यहां के मंदिरों में तोरण द्वार और अलंकृति शिखर दिखते हैं।

मंदिर पर बौद्ध धर्म का भी पड़ा असर

अंगकोरवात के हिंदू मंदिरों पर बाद में बौद्ध धर्म का गहरा प्रभाव पड़ा। कालांतर में उनमें बौद्ध भिक्षुओं ने निवास भी किया था। इस क्षेत्र में 20वीं सदी की शुरुआत में जो पुरातात्विक खुदाई हुई हैं, उनसे ख्मेर के धार्मिक विश्वासों, कलाकृतियों और भारतीय परंपराओं की प्रवासात परिस्थितियों पर बहुत प्रकाश पड़ा है। यहां हर साल हजारों पर्यटक आते हैं।

एक करोड़ चट्टानों से बना है मंदिर

अंकोरवाट मंदिर की दीवारों पर मूर्तियों में पूरी रामायण अंकित है। मीकांग नदी के किनारे बना यह मंदिर आज भी संसार का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर है जो सैकड़ों वर्ग मील में फैला है।

12वीं शताब्दी के अंकोरवाट मंदिर को चूना पत्थर की विशाल चट्टानों से कुछ ही दशकों में बना लिया गया था। डेढ़ टन से ज्यादा वजन वाली ये चट्टानें बहुत दूर से लाई जाती थीं। सैकड़ों किलोमीटर दूर से विशाल चट्टानों को लाना तब असंभव सा था। तत्कालीन हिंदू राजा ने मंदिर के लिए करीब स्थित माउंट कुलेन से चट्टानें लाने में भूमिगत नहरों की मदद ली। नावों में लादकरक ये चट्टानें पहुंचाई गई।

12वीं सदी का यह मंदिर करीब एक करोड़ चट्टानों से बना है। भूगर्भशास्त्रियों के अनुसार इस मंदिर को सिर्फ एक राजा के शासनकाल में तैयार कर लिया गया था। उन दिनों दक्षिण-पूर्वी एशिया में सर्वाधिक प्रभावशाली और समृद्ध रहा खमेर साम्राज्य आधुनिक लाओस से लेकर थाईलैंड, वियतनाम, बर्मा और मलेशिया तक फैला था ।पुरावेत्ताओं ने अंकोरवॉट मंदिर के गुम हो जाने और आसपास घने जंगलों में खो जाने के कारणों पर काफी अध्ययन किए हैं। ताजा शोध में वैज्ञानिकों ने इस क्षेत्र का उपग्रह चित्र लिया, जिसमें पाया कि पूरा इलाका प्राचीन भूमिगत नहरों से जुड़ा है। शायद इसलिए हजारों किलोमीटर दूर से इन नहरों के जरिए कम से कम समय में चूना पत्थरों को मंदिर निर्माण के लिए लाया गया होगा। खमेर साम्राज्य के लोग धान की खेती करते थे। वे खेती को इस हद तक बढ़ावा देने लगे कि पर्वत के पेड़ काटकर वहां भी धान बोने लगे। युद्धों से तो खामेर साम्राज्य सिमट ही रहा था, प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन के नाते वह प्राकृतिक विनाश का भी शिकार बना। और अंकोरवाट मंदिर कहीं खो गया जिसे बाद में घने जंगलों के बीच 16वीं शताब्दी में फिर खोजा जा सका।

दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक स्थल

अंकोरवाट कंबोडिया में दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक स्मारक है, जो करीब 162.6 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला है। यह मूल रूप से खमेर साम्राज्य में भगवान विष्णु के एक हिंदू मंदिर के रूप में बनाया गया था। मीकांग नदी के किनारे सिमरिप शहर में बना यह मंदिर आज भी संसार का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर है जो सैकड़ों वर्ग मील में फैला हुआ है। यह मन्दिर मेरु पर्वत का भी प्रतीक है। इसकी दीवारों पर भारतीय धर्म ग्रंथों के प्रसंगों का चित्रण है। इन प्रसंगों में अप्सराएं बहुत सुंदर चित्रित की गई हैं, असुरों और देवताओं के बीच समुद्र मन्थन का दृश्य भी दिखाया गया है। सनातन धर्म को मानने वाले इसे अपना पवित्र तीर्थस्थान मानते हैं।

अमर होने से जुड़ी है इसके निर्माण की कहानी

हिंदू धर्म भारत का सबसे बड़ा और मूल धार्मिक समूह है। यहां की लगभग 80 फीसदी जनसंख्या हिंदू धर्म को मानती है और यही वजह है कि भारत में अनेक हिंदू मंदिर हैं। शायद ही देश का ऐसा कोई भी शहर या गांव होगा, जहां कोई मंदिर न हो। लेकिन इसके बावजूद आपको जानकर हैरानी होगी कि दुनिया का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर भारत में नहीं बल्कि कंबोडिया में है। इस मंदिर का नाम है अंकोरवाट मंदिर। यह मंदिर कंबोडिया के अंकोर में है, जिसका पुराना नाम यशोधरपुर था। इसका निर्माण 12वीं सदी में खामेर वंश के सम्राट सूर्यवर्मन द्वितीय के शासनकाल में हुआ था। खास बात ये है कि यह एक विष्णु मंदिर है जबकि यहां के पूर्ववर्ती शासकों ने प्राय- शिव मंदिरों का ही निर्माण कराया था। 402 एकड़ में फैले इस मंदिर की दीवारों पर भारतीय धर्म ग्रंथों के प्रसंगों का चित्रण है। इन प्रसंगों में अप्सराएं बहुत सुंदर चित्रित की गई हैं। इसके अलावा यहां समुद्र मंथन का दृश्य भी दिखाया गया है।

विश्व के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक होने के साथ ही यह मंदिर यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थलों में से एक है। पर्यटक यहां केवल वास्तुशास्त्र का अनुपम सौंदर्य देखने ही नहीं आते बल्कि यहां का सूर्योदय और सूर्यास्त देखने भी आते हैं।

इस मंदिर की खासियत ये है कि इसका मुख्य द्वार पश्चिम दिशा में स्थित है, जबकि सभी प्रमुख हिंदू तीर्थों और मंदिरों के द्वार पूर्व दिशा में होते हैं। सूर्यास्त के समय ऐसा लगता है जैसे यह मंदिर सूर्यदेव को नमन कर रहा हो। ढलते सूरज की रोशनी में इस मंदिर की सुंदरता को देखते बनती है।

कहते हैं कि राजा सूर्यवर्मन हिंदू देवी-देवताओं से नजदीकी बढ़ाकर अमर होना चाहते थे। इसलिए उन्होंने अपने लिए एक विशिष्ट पूजा स्थल बनवाया, जिसमें ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों की ही पूजा होती थी। आज यही मंदिर अंगकोर वाट के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर के बारे में यह भी कहा जाता है कि स्वयं देवराज इन्द्र ने महल के तौर पर अपने बेटे के लिए इस मंदिर का निर्माण करवाया था।

इस मंदिर की रक्षा के लिए एक चतुर्दिक खाई का भी निर्माण कराया गया था, जिसकी चौड़ाई लगभग 700 फुट है। दूर से यह खाई किसी झील की तरह दिखती है। मंदिर के पश्चिम की ओर इस खाई को पार करने के लिए एक पुल बना हुआ है। पुल के पार मंदिर में प्रवेश के लिए एक विशाल द्वार निर्मित है, जो लगभग 1,000 फुट चौड़ा है। मंदिर की दीवारों पर समस्त रामायण मूर्तियों में अंकित है।

इस मंदिर का इतिहास बौद्ध और हिंदू दोनों ही धर्मों से बहुत निकटता से जुड़ा है। यह मंदिर मूल रूप से हिंदू धर्म से जुड़ा पवित्र स्थल है, जिसे बाद में बौद्ध रूप दे दिया गया, लेकिन आज भी हिंदू और बौद्ध धर्म के अनुयायी समान रूप से इस मंदिर में आस्था रखते हैं।

यह मंदिर मेरु पर्वत का भी प्रतीक है। दरअसल, हिंदू धर्म में मेरु पर्वत को भगवान ब्रह्मा सहित अनेक देवताओं का निवास स्थान माना जाता है। चूंकि यह मंदिर कंबोडिया की पहचान रहा है, इसलिए इस मंदिर की तस्वीर कंबोडिया के राष्ट्रीय ध्वज पर भी दिखती है।

पाकिस्तान के सिंधु डेल्टा में पानी 80% घटा

समुद्र का पानी भरने से जमीन खारी हुई; 12 लाख लोग बेघर हुए

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान की सबसे बड़ी नदी सिंधु के डेल्टा में जिंदगी खत्म होने की कगार पर है। सिंधु का पानी ऊपरी इलाकों के नहरों और बांधों में रोक लिया गया है। इसकी वजह से सिंध प्रांत और डेल्टा क्षेत्र में पानी पहुंचना लगभग बंद हो गया है। 1950 के दशक से अब तक सिंधु डेल्टा में बहने वाले पानी में 80% की गिरावट आ चुकी है। दूसरी तरफ इसमें अरब सागर का खारा पानी घुस आया है। इससे यहां की जमीन खारी हो चुकी है। खेती बंद हो गई है। मछलियों की आबादी घटी है और झींगा-केकड़ों का जीवन संकट में है। डेल्टा में कभी 17 छोटी नदियां, दलदली जमीन, मैंग्रोव जंगल और मछलियों से भरे कीचड़ भरे मैदान थे। आज वहां की नमकीन मिट्टी

और जहरीला पानी रहने लायक नहीं बचा है। सिंध सरकार के मुताबिक, यहां 80% पानी पीने लायक नहीं है। समुद्र का खारा पानी अब जमीन के अंदर तक घुस गया है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले दो दशकों में अब तक 12 लाख से ज्यादा लोग डेल्टा छोड़कर कराची जैसे शहरों की ओर पलायन कर चुके हैं। पाकिस्तान फिशरफोक फोरम का कहना है कि तटीय इलाकों से हजारों मछुआरे परिवार विस्थापित हो चुके हैं। 54 साल के हबीबुल्लाह खट्टी ने अपना गांव को छोड़ दिया है। गांव छोड़ने से पहले उन्होंने अपनी मां की कब्र पर आखिरी सलाम किया।

कभी 40 गांवों वाले खारो चान इलाके में अब ज्यादातर गांव समंदर निगल चुका है। 1981 में इस इलाके के आबादी 26 हजार थी, जो 2023 में घटकर सिर्फ 11 हजार बची। सिंध प्रांत में फरवरी से ही सेव द इंडस रिवर मूवमेंट नामक गठबंधन ने विरोध शुरू कर दिया था।

इसमें पर्यावरण कार्यकर्ता, स्थानीय समुदाय, एनजीओ और पॉलिसी मेकर्स शामिल हैं। आंदोलनकारियों का कहना है कि ये नहरें सिंधु नदी का पानी ऊपर ही रोक देंगी, जिससे सिंध और खासकर इंडस डेल्टा में खेती का संकट खड़ा हो जाएगा। पाकिस्तान की सबसे बड़ी नदी सिंधु से पानी खींचकर 4 प्रांतों में 6 नहरें बनाई जा रही हैं। यह प्रोजेक्ट ग्रीन पाकिस्तान इनिशिएटिव के तहत चल रहा है।

इसकी लागत करीब 28 हजार करोड़ पाकिस्तानी रुपए है। इन नहरों से मिलने वाले पानी का इस्तेमाल रेगिस्तानी जमीनों को खेती योग्य बनाने में किया जाएगा।

यह पानी सिंधु नदी या उसके बैराजों से लिया जाएगा। इसमें सबसे बड़ी नहर पंजाब के चोलिस्तान रेगिस्तान में बनाई जाएगी।

नेतन्याहू ने गाजा पर कब्जे का प्लान बनाया

विरोध में उतरे आर्मी चीफ; कहा- सैन्य कार्रवाई से 20 बंधकों की जान को खतरा

एजेंसी

तेल अवीव, गाजा युद्ध शुरू होने के करीब दो साल बाद इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने अब पूरे गाजा पर कब्जा करने की योजना (बिग गाजा प्लान) पर काम शुरू कर दिया है। लेकिन, नेतन्याहू के इस बिग गाजा प्लान पर इजराइली सेना सहमत नहीं है। इजराइली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल एयाल जमीर ने योजना पर आपत्ति जताई है। इससे इजराइली राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व के बीच तनाव और अधिक बढ़ गया है। जमीर ने चेतावनी दी है कि गाजा पर कब्जे की कोशिश से वहां बंधक 20

इजराइली नागरिकों की जान को गंभीर खतरा हो सकता है। जमीर के मुताबिक इससे इजराइल गाजा में एक थकाऊ युद्ध में उलझ जाएगा। फिलहाल गाजा के करीब 75% हिस्से पर इजराइली सेना का नियंत्रण है। अब नेतन्याहू संपूर्ण गाजा पर कब्जा चाहते हैं। नेतन्याहू के करीबी सहयोगियों ने बिग गाजा प्लान के खिलाफ जाने पर आर्मी चीफ जमीर का इस्तीफा मांगा है। गाजा युद्ध के दौरान इजराइली अधिकारियों ने पीएम नेतन्याहू के फैसलों पर सवाल उठाए हैं। आंतरिक खुफिया एजेंसी शिन बेट प्रमुख रॉनन बार को हटाने की नेतन्याहू की योजना कोर्ट ने रोक दी थी। आईडीएफ चीफ हर्शी हलेवी ने मार्च 2025 में इस्तीफा दे दिया था। नवंबर 2024 में तत्कालीन रक्षा मंत्री गैलेंट को नेतन्याहू ने विश्वास संकट का हवाला देकर हटा दिया था। नेतन्याहू अपने करीबी मंत्रियों के साथ गाजा पट्टी पर पूर्ण कब्जा करने की योजना का खुलासा कर चुके हैं। उनके के दो कट्टरपंथी सहयोगियों वित्त मंत्री बेजालेल स्मोटरिच और राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-गवीर गाजा पर सैन्य शासन के बाद उसके इजराइल में विलय की मांग कर रहे हैं। वे वहां यहूदी बस्तियों की बहाली की वकालत कर रहे हैं।

यूनिसेफ ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा है कि इजराइली बमबारी और मानवीय सहायता रोकने के चलते गाजा में हर दिन औसतन 28 फिलिस्तीनी बच्चों की मौत हो रही है। अक्टूबर 2023 से अब तक 18 हजार से ज्यादा बच्चों की मौत हो चुकी है। यूनिसेफ ने कहा कि बच्चों की मौतें बमबारी, कुपोषण और सहायता के अभाव से हो रही हैं। हालात इतने भयावह हैं कि बीते 24 घंटे में ही एक बच्चे सहित 8 लोग भुखमरी से मारे गए। अब तक 188 लोगों की भूख से मौत हुई, इनमें 94 बच्चे थे। गाजा में युद्ध शुरू होने के बाद अभी तक 60,933 लोगों की मौत हुई है

टैरिफ विवाद, ट्रम्प बोले- ब्राजीली राष्ट्रपति जब चाहें, बात करें

लूला दा सिल्वा का जवाब – उनसे नहीं, मोदी और जिनपिंग से चर्चा करना चाहूंगा

एजेंसी

ब्रासीलिया, ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बातचीत के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। ट्रम्प ने मंगलवार को कहा था, 'लूला जब चाहें, मुझसे बात कर सकते हैं।' लूला ने इस प्रस्ताव को ठुकराते हुए कहा, 'मैं टैरिफ पर बात करने के लिए ट्रम्प को कॉल नहीं करूंगा। इसके बदले पीएम नरेंद्र मोदी और शी जिनपिंग जैसे नेताओं से बातचीत करना चाहूंगा।' अमेरिका ने ब्राजील पर 50% टैरिफ लगा रखा है। ब्राजील इससे निपटने के लिए विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में जाने पर विचार कर रहा है। लूला ने यह भी कहा कि भले ही ट्रम्प से उनकी बातचीत न हो, लेकिन वे नवंबर में होने वाले सीओपी-30 क्लाइमेट समिट में ट्रम्प को न्योता जरूर भेजेंगे। अमेरिका ने हाल ही में ब्राजील पर 50% टैरिफ लगाया है। ट्रम्प प्रशासन के मुताबिक यह टैरिफ पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के खिलाफ की जा रही कार्रवाई के चलते लगाया गया है। ट्रम्प ने बोल्सोनारो के खिलाफ कार्रवाई को विचहंट यानी बदले की कार्रवाई बताया है। बोल्सोनारो पर 2022 के चुनाव हारने के बाद तख्तापलट की साजिश रचने का आरोप है। इसके चलते अमेरिका और ब्राजील के बीच रिश्ते और बिगड़ गए हैं। बोल्सोनारो पर 8 जनवरी 2023 को ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया में हुए दंगों के लिए कथित रूप से तख्तापलट की कोशिश का आरोप है। ट्रम्प ने पिछले महीने एक बयान में कहा था कि ब्राजील में फ्री इलेक्शन पर हमला हो रहा है और अमेरिकी लोगों की अभिव्यक्ति की आजादी को कंट्रोल किया जा रहा है। इस वजह से 1 अगस्त 2025 से ब्राजील से अमेरिका आने वाले सभी उत्पादों पर 50% टैरिफ लगाया जाएगा। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा, ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो एक सम्मानित नेता हैं। उनके साथ जो व्यवहार किया, वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शर्मनाक है। यह केस तुरंत खत्म होना चाहिए। उन्होंने ब्राजील की सुप्रीम कोर्ट की तरफ से बोल्सोनारो को अगले चुनाव में भाग लेने से रोकने और ट्रम्प के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल और रंबल पर सेंसरशिप आदेशों का भी जिक्र किया। 2022 के राष्ट्रपति चुनाव में बोल्सोनारो की हार के देश में कई जगह हिंसक प्रदर्शन हुए थे। बोल्सोनारो के समर्थकों ने सड़कें जाम कर दी थीं। करीब 267 सड़कों को प्रदर्शनकारियों ने ब्लॉक कर दिया था। ब्राजील में पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो के चुनाव लड़ने पर 2030 तक के लिए बैन लगा हुआ है। जुलाई 2022 में बोल्सोनारो ने 8 विदेशी राजदूतों के साथ एक मीटिंग की थी। इसमें उन्होंने ब्राजील की चुनाव प्रणाली पर सवाल उठाते हुए धांधली के आरोप लगाए थे। तब कहा जा रहा था कि बोल्सोनारो ने फॉरेन एंबेसडरों के साथ हुई मीटिंग का इस्तेमाल साजिश के तहत संदेह पैदा करने के लिए किया। उन्होंने लोगों के मन में ये शक पैदा करने की कोशिश की कि 2022 के चुनावी नतीजों में धांधली होगी। इसके बाद बोल्सोनारो पर अपने पद और मीडिया का दुरुपयोग करने का आरोप लगा। आरोप पत्र में कहा गया कि बोल्सोनारो ने चुनाव में हार के बाद पावर का गलत इस्तेमाल करते हुए देश के इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम पर शक पैदा किया।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री बोले- देश की आधे अफसर भ्रष्टाचारी

पुर्तगाल में प्रॉपर्टी खरीदकर पाकिस्तान छोड़ने की तैयारी कर रहे

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बुधवार को देश की टॉप ब्यूरोक्रेसी पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने पर कहा कि पाकिस्तान के आधे से ज्यादा अफसर पुर्तगाल में संपत्ति खरीद चुके हैं और वहां की नागरिकता लेने की तैयारी कर रही है। आसिफ ने कहा- ये बड़े-बड़े नौकरशाह हैं, जो अरबों रुपए की भ्रष्टाचार करके आराम से रिटायरमेंट की जिंदगी जी रहे हैं।

अफसरशाही हमारी जमीन को गंदा कर रही है। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तानी पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री उस्मान बुजदार के करीबी एक सीनियर नौकरशाह को उसकी बेटी की शादी में 4 अरब पाकिस्तानी रुपए की सलामी (गिफ्ट) मिले थे। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स पुर्तगाल को कम जोखिम वाला देश मानता है। ब्रिटेन और यूएई जैसे देशों पर सख्त निगरानी है, इसलिए पाकिस्तानी नौकरशाह पुर्तगाल को मनी लॉन्ड्रिंग के लिए सुरक्षित ठिकाना मानते हैं। पुर्तगाल के गोल्डन वीजा प्रोग्राम में इन्वेस्ट करने वालों को आसानी से नागरिकता मिल जाती है। इससे नौकरशाहों के देश छोड़ने का रास्ता आसान हो जाता है। भ्रष्टाचार से कमाए गई दौलत को लीगल दिखाने के लिए पाकिस्तानी नौकरशाह पुर्तगाल में संपत्ति खरीदते हैं। यह पैसा गल्फ-यूरोप लॉन्ड्रिंग कॉरिडोर के जरिए हवाला से भेजा जाता है। पाकिस्तान लंबे वक्त से भ्रष्टाचार से जूझता रहा है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 के करप्शन परसेप्शन इंडेक्स (सीपीआई) में 180 देशों में पाकिस्तान की रैंकिंग 135 है। हर साल जारी होने वाली इस रिपोर्ट में बताया गया कि पाकिस्तान का सीपीआई स्कोर 2023 में 29 था, जो 2024 में 2 अंक गिरकर 27 हो गया। रिपोर्ट के मुताबिक, 180 देशों में भारत 96वीं, श्रीलंका 121वीं, बांग्लादेश 151वीं और चीन 76वीं रैंकिंग पर है।

बेरोजगार नोयडा के युवक के बैंक खाते में आ गये 100 खरब से ज्यादा रुपये

लड़का गिन नहीं पा रहा था रकम के शून्य

एक अगस्त को, 20 वर्षीय दिलीप को एक संदेश मिला कि उनके बैंक खाते में 11.13 लाख करोड़ रुपये जमा हुए हैं। बेरोजगार दिलीप दौड़े-दौड़े अपने बैंक गए, जहां उन्हें बताया गया कि यह अप्रत्याशित धनराशि नावी यूपीआई ऐप में हुई गड़बड़ी के कारण जमा हुई और उनके खाते में अब भी एक भी पैसा नहीं है।

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा के दनकौर के निवासी दिलीप उस समय हैरान रह गए जब उनके खाते में 14 अंकों की रकम जमा हो गई। हालांकि, उनकी यह खुशी ज्यादा देर तक नहीं चली। एक अगस्त को, 20 वर्षीय दिलीप को एक संदेश मिला कि उनके बैंक खाते में 11.13 लाख करोड़ रुपये जमा हुए हैं। बेरोजगार दिलीप दौड़े-दौड़े अपने बैंक गए, जहां उन्हें बताया गया कि यह अप्रत्याशित धनराशि नावी यूपीआई ऐप में हुई गड़बड़ी के कारण जमा हुई और उनके खाते में अब भी एक भी पैसा नहीं है। दिलीप ने दो महीने पहले ही एक निजी बैंक में खाता खुलवाया था। उनके माता-पिता नहीं हैं। व्यक्ति द्वारा अपनी दिवंगत माँ के बैंक खाते में एक बड़ी रकम-एक ट्रिलियन रुपये जमा होने की खबर सामने आने के एक दिन बाद, कोटक महिंद्रा बैंक ने एक आधिकारिक बयान जारी कर स्थिति स्पष्ट की है। अपने बयान में, बैंक ने ग्राहकों से कोटक मोबाइल ऐप या इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से अपने खाते के विवरण सत्यापित करने का आग्रह किया। बैंक ने इस बात पर भी जोर दिया कि उसके सिस्टम सामान्य रूप से काम कर रहे हैं, और इस दावे का खंडन किया कि इतनी बड़ी राशि किसी तकनीकी गड़बड़ी के कारण जमा हुई थी। बयान में कहा गया है, ग्राहक के खाते में असामान्य रूप से बड़ी राशि जमा होने की मीडिया रिपोर्ट्स गलत हैं। इन रिपोर्टों के मद्देनजर, हम ग्राहकों को कोटक के मोबाइल बैंकिंग ऐप या नेट बैंकिंग प्लेटफॉर्म का उपयोग करके अपने खाते के विवरण की जाँच करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। कोटक महिंद्रा बैंक पुष्टि करता है कि हमारे सिस्टम सामान्य रूप से काम कर रहे हैं, सभी सेवाएँ सुरक्षित और पूरी तरह से चालू हैं। ग्रेटर नोएडा के ऊँची दनकोर गाँव के निवासी दीपक ने दो महीने पहले अपनी माँ गायत्री देवी को खो दिया था। 3 अगस्त को, जब वह उनके कोटक महिंद्रा बैंक खाते की जाँच कर रहे थे, तो उन्हें 10,01,35,60,00,00,00,00,00,01,00,23,56,00,00,00,00,00,299 रुपये जमा देखकर दंग रह गए, जो 11.13 लाख करोड़ रुपये (करीब 100 डुओडेसिलियन रुपये) से ज्यादा है।

एसआईआर पर चर्चा की मांग पर अड़ा विपक्ष, मर्चेंट शिपिंग बिल लोकसभा में पास

विपक्ष द्वारा बार-बार व्यवधान डाले जाने के कारण, दोनों सदनों की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित

विपक्षी दलों के सांसदों ने बुधवार को लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मौजूद होने की मांग करते हुए हंगामा किया। वहीं, राज्यसभा में बुधवार को पूर्व सदस्य दिवंगत सत्यपाल मलिक को श्रद्धांजलि दी गई। मलिक का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार को नयी दिल्ली के एक अस्पताल में निधन हो गया।

एजेंसी

बिहार में मतदाता सूची संशोधन पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष के हंगामे के बीच दोनों सदनों की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्ष द्वारा बार-बार व्यवधान डाले जाने के कारण, दोनों सदनों की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। 21 जुलाई को संसद का मानसून सत्र शुरू होने के बाद से, ऑपरेशन सिंदूर पर दो दिनों की बहस को छोड़कर, कार्यवाही लगातार तीसरे सप्ताह बाधित रही है। इसके अलावा विपक्षी दलों के सांसदों ने बुधवार को लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मौजूद होने की मांग करते हुए हंगामा किया। वहीं, राज्यसभा में बुधवार को पूर्व सदस्य दिवंगत सत्यपाल मलिक को श्रद्धांजलि दी गई। मलिक का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार को नयी दिल्ली के एक अस्पताल में निधन हो गया।

लोकसभा की कार्यवाही

लोकसभा ने बुधवार को वाणिज्यिक जलपोतों के स्वामित्व की पात्रता मानदंडों का विस्तार करने और समुद्री दुर्घटनाओं की जांच व पूछताछ का प्रावधान करने वाले एक विधेयक को संक्षिप्त चर्चा के बाद पारित कर दिया। लोकसभा ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्षी दलों के सदस्यों के शोर-शराबे के बीच ही वाणिज्य पोत परिवहन विधेयक, 2024 को ध्वनिमत से मंजूरी प्रदान कर दी। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बुधवार को कहा कि बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मुद्दा उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है और लोकसभा के कार्य संचालन और प्रक्रियाओं के नियमों एवं परिपाटी के तहत इस मुद्दे पर सदन में चर्चा नहीं हो सकती। कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दलों ने बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर आग्रह किया कि लोकसभा की कार्यसूची में सूचीबद्ध खेल से संबंधित दो विधेयकों को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के विचार के लिए भेजा जाए। विपक्षी दलों ने कहा कि ये विधेयक राष्ट्रीय महत्व के हैं और इन पर व्यापक सहमति की जरूरत है।

राज्यसभा की कार्यवाही

राज्यसभा ने सदन में विपक्ष के विरोध के बीच समुद्री माल परिवहन विधेयक, 2025 पारित कर दिया। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की मांग कर रहे विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण बुधवार को राज्यसभा की बैठक एक बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बज कर तीस मिनट पर पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई।

धर्म परम सत्य है, इसके पालन से लोगों को साहस, दृढ़ संकल्प प्राप्त करने में मदद मिलती है : भागवत

दुनिया को ऐसे धर्म की आवश्यकता है जो हिंदू धर्म की तरह विविधताओं को समाहित करे। धर्म हमें अपनापन सिखाता है और विविधताओं को स्वीकार करने की अनुमति देता है।

एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि धर्म परम सत्य है तथा जिम्मेदारी के साथ इस मार्ग पर चलने से समाज को शांतिपूर्ण बनाए रखने में मदद मिलेगी। यहां धर्म जागरण न्यास के कार्यालय के उद्घाटन के अवसर पर भागवत ने कहा कि धर्म का पालन और उसके प्रति प्रतिबद्ध रहने से लोगों को संकट के समय कोई रास्ता निकालने का साहस और दृढ़ संकल्प प्राप्त करने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा, यदि धर्म के प्रति आपकी प्रतिबद्धता दृढ़ है, तो आप कभी हिम्मत नहीं हारेंगे। सभी ने छावा (छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित) फिल्म देखी है। केवल बड़े नाम ही नहीं, बल्कि आम लोगों ने भी धर्म के प्रति प्रतिबद्ध रहने के लिए अपना बलिदान दिया है। भागवत ने कहा कि यह समाज की जिम्मेदारी है कि वह सुनिश्चित करे कि लोग धर्म के मार्ग से विचलित न हों। उन्होंने कहा, दुनिया को ऐसे धर्म की आवश्यकता है।

एनआरसी और एसआईआर को लेकर भाजपा पर बरसीं ममता बनर्जी

ममता बनर्जी ने कहा कि एसआईआर की चल रही गतिविधियों के पीछे एनआरसी की साज़िश है। असम में लगभग सात लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, जिनमें हिंदू बंगाली भी शामिल हैं।

बोलीं- डरने की कोई जरूरत नहीं है

एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) गतिविधि चलाने की भाजपा की मांग पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) केंद्रीय गृह मंत्री के एजेंट के रूप में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि अगर असली मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए तो वह अपनी आवाज उठाती रहेंगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को झारग्राम में एक विरोध मार्च निकाला और भाजपा शासित राज्यों में बंगाली भाषी लोगों के उत्पीड़न का आरोप लगाया। ममता बनर्जी ने कहा कि अगर असली मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए, तो मैं पूरी दुनिया में विरोध करूँगी। मालपुआ (भाजपा नेता अमित मालवीय) मेरी गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। चाहे आप मुझे गिरफ्तार करने आएं या गोली मार दें, मैं बंगाली भाषा के अपमान के खिलाफ विरोध करती रहूँगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह (एसआईआर) योजना केंद्र सरकार द्वारा बनाई गई है, जिसमें

निर्वाचन आयोग को भी शामिल किया गया है। हम इससे सहमत नहीं हैं। उन्होंने तर्क दिया कि इस प्रक्रिया के लिए माता-पिता के जन्म प्रमाण-पत्र सुरक्षित रखना सभी के लिए संभव नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह पश्चिम बंगाल में एसआईआर लागू करने के किसी भी प्रयास को स्वीकार नहीं करेंगी। ममता बनर्जी ने कहा कि एसआईआर की चल रही गतिविधियों के पीछे एनआरसी की साज़िश है। असम में लगभग सात लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, जिनमें हिंदू बंगाली भी शामिल हैं। कूचबिहार और अलीपुरद्वार में नोटिस भेजे जा रहे हैं और भारतीय निवासियों को बांग्लादेश भेजा जा रहा है। मतदाता सूची से एक भी नाम नहीं छूटना चाहिए। हमारे दो अधिकारियों को उनके निलंबन के संबंध में चुनाव आयोग से नोटिस मिला है। डरने की कोई जरूरत नहीं है। चुनाव में आठ-नौ महीने बाकी हैं, लेकिन भाजपा ने अभी से लोगों को निलंबित करना शुरू कर दिया है।